मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 75
भोपाल, शुक्रवार
02 मई 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु ...

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

गुजरात और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर 06

जूना पीठाधीश्वर स्वामी पूज्य अवधेशानंद महाराज के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सीएम का स्वागत

आचार्य शंकर प्रकटोत्सव के लिए एकात्म धाम पहुंचे मुख्यमंत्री

इंदौर ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज शुक्रवार सुबह एकात्म पर्व आचार्य शंकर प्रकटोत्सव शंकरदूत शिक्षा आरक्षण समारोह के लिए ओंकारेश्वर पहुंचे। पूज्य अवधेशानंद महाराज के पावन सानिध्य में एकात्म धाम में महर्षि संदीपनी वेद विद्या पीठ द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूज्य संतों के साथ 'एकात्म धाम पुस्तक का विमोचन किया। यहां उन्होंने जूना पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंदजी जी से आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्य शंकराचार्य प्रकटोत्सव पर ओंकारेश्वर में शंकर दूत शिक्षा एवं अलंकरण समारोह में संतों का सम्मान किया।

एकात्म धाम पुस्तक का किया विमोचन, ओंकारेश्वर में शंकर दूत शिक्षा एवं अलंकरण समारोह में संतों का सम्मान

सीएम डॉ. मोहन यादव सुबह करीब 7 बजे इंदौर से ओंकारेश्वर के लिए रवाना हो थे। मुख्यमंत्री ओंकारेश्वर में पांच दिवसीय आचार्य शंकर प्राकट्य उत्सव के समापन कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर बाद वापस इंदौर आ कर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। शाम को भोपाल रवाना होंगे। इससे पहले सीएम गुरुवार देर रात इंदौर एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से रात्रि विश्राम के लिए वे सीधे रेसीडेंसी कोठी गए। हालांकि पहले सीएम का लगभग 8:40 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचने का कार्यक्रम था। यहां से वे ओंकारेश्वर के लिए रवाना होकर रात्रि विश्राम वहीं करने वाले थे, लेकिन खंडवा के हरसूद से लौटने में देरी के चलते वे इंदौर में ही रुक गए।

सीएम ने की प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना

सीएम यादव ने एक्स पर लिखा कि आज आद्य जगतगुरु शंकराचार्य जी की जयंती के पुण्य अवसर पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी अवधेशानंद जी के सानिध्य में ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में आयोजित आचार्य शंकर प्रकटोत्सव एकात्म पर्व कार्यक्रम से पूर्व यज्ञशाला में पवित्र यज्ञ में आहुति दी। यज्ञ की परिक्रमा कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सलूजा पंचतत्व में विलीन, बेटे ने दी मुखाग्नि

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 11 बजे रीजनल पार्क मुक्तिधाम में हुआ। बेटे मीत ने पिता को मुखाग्नि दी। इससे

पहले पार्थिव शरीर को चोइथराम खालसा बाग में मत्था टिकाकर मुक्तिधाम लाया गया। सलूजा का निधन बुधवार दोपहर को हुआ था। लेकिन उनकी बेटी के अमेरिका से लौटने में समय लगने के चलते आज अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोपहर बाद शोक संतप्त परिवार से मिलने दिवंगत सलूजा के घर जाएंगे। सलूजा के अंतिम संस्कार के दौरान मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, आशीष अग्रवाल, जीतू जिराती, सज्जन सिंह वर्मा, सुमित मिश्रा, निशांत खरे, सावन सोनकर, गौरव रणदिवे, गोपी नेमा सहित कई नेता रहे मौजूद रहे। सिख समाज के बड़े पदाधिकारी भी इस दौरान मौजूद थे। जानकारी के अनुसार सलूजा की अंतिम यात्रा में करीब दो हजार लोग शामिल हुए। बता दें कि 56 साल के सलूजा का बुधवार दोपहर कार्डियक अरेस्ट के चलते निधन हो गया था। वे मंगलवार रात को सीहोर के क्रिसेंट पार्क में शादी समारोह में शामिल हुए थे।

अंतर्मना उवाच

गोविंद घाट, जिला चमोली, उत्तराखंड : प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

किसी अच्छे इंसान से कोई गलती हो जाये तो सहन कर लो.. क्योंकि सोना यदि कीचड़ में गिर जाये तो उसकी कीमत कम नहीं हो जाती..!

*कभी-कभी थोड़ा सहन करना भी चाहिए। **दुनिया का हर पुरुष अपनी पत्नी में सीता - सावित्रि जैसी सुशील और मृदुभाषी रूप चाहता है।** पर क्या तुमने कभी यह भी सोचा है इसके लिए तुम्हें भी राम जैसा होना पड़ेगा..! राम राज्य की मर्यादाओं को जीना पड़ेगा..! सीता जैसी पतिव्रता पत्नी चाहिए तो राम जैसा आदर्श प्रस्तुत करना पड़ेगा।*

***भारतीय संस्कृति में पत्नी महज वासना पूर्ति का साधन नहीं होती है।** प्रसाधन अपितु वह अपने पत्नी जीवन जंग के साथ धर्मपत्नी का दायित्व भी निर्भवाझ करती है, वह तुम्हें धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है, इस मायने में पत्नी तुम्हारी मार्गदर्शक भी है। अत: तुम्हें अपनी पत्नी की भावनाओं को समझना चाहिए तथा उनका आदर करना चाहिए, वह देवी स्वरूप है।*

जब पति परमेश्वर हो सकता है..
तो पत्नी देवी स्वरूप क्यों नहीं हो सकती है...?

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

पाकिस्तान का असली चेहरा फिर उजागर

बिलावल ने आतंकी संगठनों से साठगांठ कबूली

बोले- मुझे नहीं लगता कि यह किसी से छिपा हुआ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की बौखलाहट जगजाहिर हो गई है। आए दिन उसके नेता कोई न कोई बड़बोलापन दिखा रहे हैं। पहले उनके रक्षा मंत्री और अब उनके पूर्व विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के आतंक का पनाहगार होने की बात कबूल ली है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मत हत्या कर दी थी। पाकिस्तान की ओर से पोषित आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले की साजिश रची थी।

इस बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने खुद कबूल कर लिया है कि उनके मुल्क के आतंकी समूहों के साथ संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अतीत रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान के दहशर्तगर्दों के साथ संबंध रहे हैं।

यह कबूलनामा उनके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की आतंकवादी समूहों को समर्थन और वित्त पोषण में पाकिस्तान की संलिप्तता को स्वीकार करने के बाद सामने आया है। बिलावल ने आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार

करते हुए दावा किया कि इसका देश को नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि, बाद से इसमें सुधार हुआ। गुरुवार को स्काई न्यूज से बातचीत में भुट्टो ने कहा, जहां तक रक्षा मंत्री ने कहा है, मुझे नहीं लगता कि यह कोई रहस्य है कि पाकिस्तान का अतीत रहा है। इसी वजह से हमने नुकसान उठाया है। पाकिस्तान ने काफी नुकसान सहा है।

हम चरमपंथ, आतंकवाद की लहर से गुजरे हैं। हमने जो कुछ भी झेला है, उससे सबक लिया है। इस समस्या को हल करने के लिए हमने आंतरिक सुधारों को अपनाया है। भुट्टो ने आगे कहा, जहां तक पाकिस्तान के इतिहास का सवाल है। यह सच है। यह ऐसा कुछ नहीं है, जिसमें हम आज हिस्सा ले रहे हैं। यह सच है कि यह हमारे इतिहास का एक दुर्भाग्यपूर्ण हिस्सा है।

भारत पर 10 लाख से अधिक बार हुए साइबर अटैक

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से भारत में लगातार बैठकों का दौर जारी है। सरकार की ओर से आतंकवाद के खिलाफ कड़ा प्रहार करने की बात कही जा रही है। वहीं दूसरी ओर भारत पर साइबर सुरक्षा का खतरा भी मंडरा रहा है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने कहा है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से देश भर में 10 लाख से अधिक साइबर हमले किए गए हैं। ये साइबर हमले पाकिस्तान सहित कई अन्य देशों से किए गए हैं। वहीं इसे लेकर साइबर वार की भी आशंका जताई जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वेबसाइटों और पोर्टलों को निशाना बनाकर पाकिस्तान, मध्य एशिया, इंडोनेशिया और मोरक्को से ये हमले किए गए। कई हैकिंग ग्रुप्स ने खुद के इस्लामी गुट का होने का दावा किया है, तथा यह संभवत: साइबर वार भी हो सकता है।

आठवें दिन भी गोलीबारी, भारतीय सेना ने दिया करारा जवाब

श्रीनगर। पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार ने जिस तरह पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाए हैं, उससे बौखलाकर पाकिस्तान आए दिन एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी कर रहा है। इसी क्रम में पाकिस्तान सैनिकों ने शुक्रवार को भी एलओसी पर गोलीबारी की जिसका भारतीय सैनिकों ने उसी की भाषा में जवाब दिया। भारतीय सेना के अनुसार, 01-02 मई 2025 की रात को, पाकिस्तान सेना ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, नौशेरा और अखनूर क्षेत्रों के सामने नियंत्रण रेखा के पार से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना के जवानों ने इसका करारा जवाब दिया है।

सीएम ने जताया दुख

बारातियों से भरी पिकअप पलटी इंदौर के चार लोगों की मौत

विदिशा ■ अमृत दर्शन

विदिशा के सिरोंज में बारातियों से भरा पिकअप वाहन बेकाबू होकर पलट गया। इसमें एक महिला समेत चार बारातियों की मौत हो गई। बारात इंदौर लौट रही थी। इसमें 12 लोग घायल हुए हैं। जिनमें 5 की हालत गंभीर हैं। हादसा गुरुवार रात 10 बजे मदागन घाटी में हुआ। सूचना मिलते ही लटेरी एसडीओपी अजय मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बारात इंदौर के आउलीखेड़ा गांव लौट रही थी। ये लोग बारात लेकर सिरोंज की जटाशंकर के पास से वापस आ रहे थे। पिकअप में 16 लोग सवार थे, जिनमें छोटे बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल थे। सभी लोग पत्थर के सिलबट्टे बनाने का काम करते हैं। घायलों को तत्काल लटेरी के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। दूल्हा-दुल्हन दूसरी गाड़ी में सवार थे। देर रात कलेक्टर अंशुल गुप्ता और एसपी रोहित काशवानी लटेरी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों से बातचीत की।

12 घायल, 5 की हालत गंभीर

मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख मुआवजे की घोषणा

सीएम डॉ. मोहन यादव ने हादसे में 4 लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 2-2 लाख एवं गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों के बेहतर इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी घाटी

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। बाबा केदार के कपाट खुलने के क्षण का श्रद्धालुओं को बेसब्री से इंतजार था। जैसे ही धाम के कपाट खुले हर-हर महादेव के जयकारों से घाटी गूंज उठी। श्रद्धा से भीगे मन भोलेनाथ का वंदन करने लगे। आज सुबह सात बजे वृष लग्न में केदारनाथ मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इस मौके पर हजारों श्रद्धालु कपाटोद्घाटन के पावन पल के साक्षी बने। मंदिर के कपाट खुलते ही केदारघाटी हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी। कपाट खुलने से कुछ ही देर पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी भी केदारनाथ पहुंचे और कपाट खुलने के बाद दर्शन किए। कपाटोद्घाटन के लिए मंदिर को 108 क्विंटल फूल-मालाओं से सजाया गया है। वहीं, शासन, प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों के साथ ही सुरक्षा बल भी तैनात है। कपाट खुलने के बाद पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से हुई।

इंदौर में जैन परिवार की बेटी ने 3 साल की उम्र में लिया संथारा

इंदौर ■ अमृत दर्शन

शहर की जैन परिवार की 3 वर्ष 4 माह की छोटी बच्ची ने संथारा लेकर जीवन त्याग दिया है। बच्ची पिछले काफी दिनों से ब्रेन ट्यूमर की बीमारी से पीड़ित थी। ऑपरेशन के बाद फिर उसे वही समस्या हो रही थी। इसके चलते परिजनों ने जैन मुनि के कहने पर उसका संथारा करवाया और 10 मिनट बाद ही उसने अपना जीवन त्याग दिया। बेटी के माता-पिता दोनों ही आईटी प्रोफेशनल हैं। उनके इस फैसले का जैन समाज ने स्वागत किया है। इंदौर निवासी पीयूष-वर्षा जैन ने अपनी 3 साल की बेटी वियाना को संथारा दिलाया था बेटी की मां वर्षा जैन ने बताया, वियाना को जनवरी में ब्रेन ट्यूमर होने की जानकारी लगी, जिसके चलते 9 जनवरी को मुंबई लेकर गए और 10 को ट्यूमर का ऑपरेशन भी हो गया। तीसरे हफ्ते में उसे फिर वही दिक्कत होने लगी। बच्ची की हालत गंभीर देखते हुए मुनिश्री ने संथारा कराने का सुझाव दिया था।

त्याग दिया शरीर बन गया अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड

मंच पर सीएम विजयन-और कांग्रेस नेता शशि थरूर भी रहे

पीएम मोदी ने दी विझिनजाम बंदरगाह की सौगात

तिरुवनंतपुरम ■ एजेंसी

केरल की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 8,900 करोड़ रुपये की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने हजारों करोड़ की लागत से निर्मित विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की ओर से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। पीएम मोदी ने

केरल में 8900 करोड़ के विकास कार्य होंगे

लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था, इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है। ये परिस्थिति अब बदलने जा रही है। अब देश का पैसा देश के काम आएगा। जो पैसा बाहर जाता था, अब वो केरल और विझिनजम के लोगों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। इससे पहले उन्होंने कहा कि आज भगवान आदि शंकराचार्य की जयंती है। मुझे उनके जन्मभूमि क्षेत्र में जाने का सौभाग्य मिला था। देश के कोनों में मठों की स्थापना करके आदि शंकराचार्य जी ने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया।

आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ मंच साझा किया। उन्होंने विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह में कहा, मैं सीएम को बताना चाहता हूं कि आप इंडी गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एक्यूआई में सुधार, हटाई गई ग्रैप एक की पाबंदियां

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। गुरुवार को राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 184 दर्ज किया गया। इसको देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में लागू ग्रेडेड रिस्पोंस एक्शन प्लान (ग्रैप) एक की पाबंदियों को हटा लिया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा उपलब्ध कराए गए दैनिक एक्यूआई बुलेटिन के अनुसार गुरुवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 184 रहा। गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर के समग्र वायु गुणवत्ता मापदंडों और अन्य पहलुओं की व्यापक समीक्षा करते हुए उप-समिति ने कहा कि तेज हवाओं और अनुकूल मौसम संबंधी स्थितियों के कारण दिल्ली के एक्यूाई में सुधार हुआ है और 01 मई के लिए 184 (मध्यम श्रेणी में) दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में भी आने वाले दिनों में एक्यूआई के मध्यम श्रेणी में रहने की भविष्यवाणी की गई है। इसलिए, दिल्ली के एक्यूआई में सुधार की इस प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए ग्रैप पर सीएक्यूएम उप-समिति ने सर्वसम्मति से पूरे एनसीआर में ग्रैप की मौजूदा अनुसूची के चरण-ढ्ढ को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया।

एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने संभाला कमांडिंग-इन-चीफ का पद

प्रयागराज। एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने गुरुवार, एक मई को मध्य वायु कमान के कमांडिंग-इन-चीफ का पद भार ग्रहण किया। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, रक्षा प्रबंधन कॉलेज एवं राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। मध्य वायु कमान प्रयागराज के पीआरओ शान्तनु प्रताप सिंह ने बताया कि एयर मार्शल बालकृष्णन मणिकण्टन ने भारतीय वायु सेना में सात जून 1986 को कमीशन प्राप्त किया था। वह हेलीकाप्टर के प्रशिक्षित एवं अनुभवी उड़ान अनुदेशक हैं और 5500 घंटो से अधिक उड़ान का अनुभव प्राप्त है। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल व वायु सेना मेडल मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि 38 वर्षों से अधिक के अपने सेवा काल के दौरान एयर मार्शल ने कई क्षेत्रों में कार्य एवं पदभार ग्रहण किया। पश्चिम वायु कमान में आपने एमआई-17वी हेलीकाप्टर और बमरौली तथा लेह (लद्दाख) में तो एयरबेस को कमान किया। वह पश्चिम वायु कमान के वरिष्ठ वायु स्टॉफ अफसर भी रहे हैं। वर्तमान में मध्य वायु कमान में पदभार ग्रहण करने से पूर्व एयर मार्शल दक्षिण वायु कमान के कमांडिंग-इन-चीफ पद पर रह चुके हैं।

गंगा एक्सप्रेस—वे पर राफेल, जगुआर, मिराज टू थॉउजेंड की होगी लैंडिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से गंगा एक्सप्रेस—वे पर राफेल, जगुआर, मिराज टू थॉउजेंड जैसे लड़ाकू विमानों की लैंडिंग होगी। शाहजहांपुर में जलालाबाद इलाके में पीरु ग्राम के निकट गंगा एक्सप्रेस-वे पर बनी हवाई पट्टी पर दो और तीन मई को वायु सेना के लड़ाकू विमानों को उतारा जायेगा। वहीं कुछ मिनटों के भीतर लड़ाकू विमान उड़ान भरते हुए भी दिखायी देंगे।
शाहजहांपुर जिले के जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने गुरूवार को पत्रकारों को बताया कि शाहजहांपुर के लिए गौरव से भरपूर क्षण होगा, जब दो मई और तीन मई को गंगा एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमानों की आवाजाही को अपनी आंखों से जिले के नागरिक देखेंगे। दिन रात लड़ाकू विमानों की लैंडिंग और उड़ान भरने पर इसे देखकर गर्व का अनुभव होगा। इसे कार्यक्रम का स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, मंत्री जेपीएस राठौर अतिथि की भूमिका में रहेंगे, वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी उपस्थिति रह सकती है।

भारत को पाकिस्तान की चेतावनी, किसी भी उकसावे की स्थिति में देंगे करारा जवाब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को भारत को किसी भी दुस्साहस से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी भी उकसावे की स्थिति में निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया देगा, हालांकि वह पहले कोई आक्रामक कदम नहीं उठाएगा। डार का यह बयान हाल ही में भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद आया है। भारत की ओर से इस हमले को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिसे लेकर पाकिस्तान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई है।

आंधी-तूफान में उखड़े पेड़, बारिश से सड़कें लबालब जाम ने बढ़ाई मुसीबत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में आज सुबह मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। वहीं, भीषण गर्मी से परेशान दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने लोगों को राहत दी। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई हिस्सों में आंधी-तूफान के चलते पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए।

सुबह-सुबह दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। गरज-चमक के बीच बारिश का अनुमान मौसम विभाग ने व्यक्त किया था। लगातार हो रही तेज बारिश से दिल्ली की सड़कों पर पानी भर गया है।

दिल्ली में बूंदाबांदी का सिलसिला तड़के 3 बजे के बाद शुरू हुआ। पहले आईटीओ, मंडी हाउस और मध्य दिल्ली के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी और बारिश शुरू हुई। इसके बाद हवाओं में तेजी आई और अंधेरे के बीच गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने लगी।

मौसम विभाग के अनुसार 1 मई से 7 मई तक आंधी व बारिश का अनुमान है। इस कारण से तापमान 34 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से 1 मई की रात से 4 मई की सुबह तक मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। 5 और 6 मई को शाम के समय आंधी-तूफान और बादल गरजने की गतिविधियां रहेंगी। इससे पहले मौसम विभाग 1 से 2 मई के लिए बारिश व आंधी का यलो अलर्ट जारी किया था। दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार सुबह आंधी-तूफान और तेज़ हवाओं के कारण परिचालन बाधित होने के कारण तीन उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया और 200 से अधिक उड़ानें विलंबित हो गईं। दिल्ली में खराब मौसम के कारण एक फ्लाइट को अहमदाबाद और दो फ्लाइट को जयपुर डायवर्ट किया गया और कई अन्य फ्लाइट में देरी हुई। गाजियाबाद में शुक्रवार तड़के मौसम का मिजाज बदल गया। पहले तेज आंधी चली। इसके बाद बादल गरजे और पांच बजे बारिश शुरू हो गई। इसके बाद पारा चार डिग्री नीचे आ गया। मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर यूपी शाही ने बताया कि तेज हवा चलने की वजह से पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता अचानक बढ़ गई। आने वाले चार-पांच दिन तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान जहां 40 को पार कर रहा था। वहीं अब यह 30-32 के आसपास रहेगा। रविवार और सोमवार को भी बारिश होने की संभावना बन रही है। हवा की रफ्तार बढ़ने से धूप निकलने पर भी गर्मी से राहत मिली रहेगी।गुरुग्राम में बारिश से शुक्रवार को कई जगहों पर जलभराव हो गया है। घरों के अंदर पानी घुस गया। नरसिंहपुर गांव के सामने दिल्ली जयपुर हाईवे और सर्विस लेन पर तीन फीट पानी भर गया है। इससे वाहन चालकों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आंधी से कई जगह पेड़ टूट गए। इसकी चपेट में आकर पालम विहार में पार्क की दीवार ढह गई। दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। आज सुबह तेज हवाओं के कारण द्वारका के खरखरी नाहर गांव में खेत में बने ट्यूबवेल के कमरे पर पेड़ गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। मृतक की पहचान 26 वर्षीय ज्योति और उसके तीन बच्चों के रूप में हुई है। उसके पति अजय को मामूली चोटें आई हैं।

दिल्ली आंधी तूफान के कारण लेट हुई फ्लाइट तो एयर इंडिया पर भड़के यात्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में शुक्रवार (2 मई) की सुबह भारी बारिश और तूफान के साथ हुई। सुबह घर से निकलने वाले लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर जगह-जगह पर पानी भरा हुआ था। इससे कई वाहन सड़क पर ही बंद भी हो गए। इस बीच दिल्ली एयरपोर्ट से काफी देर तक फ्लाइट का संचालन प्रभावित रहा। 140 से ज्यादा फ्लाइट पर खराब मौसम का असर पड़ा। 40 फ्लाइट कैंसिल हुईं, 100 देरी से रवाना हुईं। वहीं, दो फ्लाइट जयपुर और एक फ्लाइट अहमदाबाद डाइवर्ट की गई। इस बीच एक यात्री ने फ्लाइट लेट होने पर एयर इंडिया को जमकर खरी-खोटी सुनाई और एयरलाइन की तरफ से इसका जवाब भी दिया गया।

फ्लाइट लेट होने से नाराज लोगों ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा बयां किया। इशान राणा नाम के एक यूजर ने लिखा एयर इंडिया की हर फ्लाइट 1-2 घंटे देरी से चलती है। यात्रियों के समय का कोई सम्मान नहीं। कोई सुधार नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। यह शर्मनाक है कि हम अपनी तुलना पाकिस्तान से करते हैं, न की चीन से जो हमसे 100 साल आगे है। सबसे खराब चीज यह है कि टिकट वापस नहीं किए जाते और यात्रियों का समय बर्बाद करने के लिए कोई मुआवजा नहीं मिलता।

ईशान राणा के एक्स पोस्ट पर जवाब देते हुए एयर इंडिया ने लिखा, प्रिय राणा, दिल्ली में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण उड़ान में देरी हो रही है। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारे यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम आपके धैर्य और समझदारी की ईमानदारी से सराहना करते हैं। इसके जवाब में ईशान ने लिखा मौसम के कारण आज की देरी को मैं समझता हूं, लेकिन आपकी एयरलाइन के साथ मेरा पिछला अनुभव भी अच्छा नहीं रहा है। 29 तारीख को उड़ान 866 बिना किसी मौसम संबंधी समस्या के 30 मिनट की देरी से उड़ी। खराब मौसम के कारण देरी स्वीकार्य है, आदतन देरी स्वीकार्य नहीं है। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट की तरफ से सुबह 8.20 बजे एक्स पर लिखा गया सुबह भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी के बाद, हम यह पुष्टि करना चाहते हैं कि प्रतिकूल मौसम के कारण फ्लाइट्स पर कुछ प्रभाव पड़ा है, लेकिन एयरपोर्ट पर सामान्य रूप से फ्लाइट्स का परिचालन हो रहा है। हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि यात्रियों को निर्बाध और कुशल अनुभव मिल सके। यात्रियों से अनुरोध है कि वे फ्लाइट से जुड़े नए अपडेट के लिए अपनी एयरलाइनों के संपर्क में रहें।

ट्रंप का तेल युद्ध... ईरान पर शिकंजा कसा तो चीन पर भी करारी चोट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को उन सभी देशों को प्रतिबंधों की धमकी दी है जो ईरान से तेल खरीदते हैं. ट्रंप की यह धमकी ऐसे वक्त में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच इस शनिवार को होने वाली परमाणु वार्ता स्थगित कर दी गई है. ट्रंप ने उन देशों को भी धमकी दी है जो ईरान पर लगे प्रतिबंधों की वजह से अप्रत्यक्ष रूप से ईरानी तेल खरीद रहे हैं।

ईरान का तेल खरीदने वाले देशों को धमकी देते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईरान से सभी तरह की तेल खरीद और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स पर अभी रोक लगनी चाहिए. जो भी देश या इंसान ईरान से ये उत्पाद खरीद रहा है वो अमेरिका से किसी भी तरह से व्यापार नहीं कर पाएगा।

ट्रंप की इस धमकी से सबसे अधिक प्रभावित होने वाला देश चीन है क्योंकि चीन ही अप्रत्यक्ष तरीके से ईरान का लगभग सारा तेल खरीद रहा है. तेल टैंकर को ट्रैक करने वाले डेटा के आधार पर यूएस एनर्जी इंफोर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन ने पिछले साल अक्टूबर में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी. रिपोर्ट से पता चला था कि चीन ने 2023 में ईरान के कच्चे तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा खरीदा।

इससे पहले फरवरी में ट्रंप ने ईरानी तेल की खरीद-बिक्री से जुड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया था. प्रतिबंध की जद में भारत की चार कंपनियां भी आई थीं जिसमें ऑस्टेनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (नोएडा), बीएसएम मरीन लिमिटेड (गुड़गांव), कॉसमॉस लाइन्स (तंजावुर) और फ्लक्स मैरीटाइम (नवी मुंबई) शामिल थीं. इन कंपनियों पर आरोप था कि इन्होंने ईरान पर लगे प्रतिबंधों के बावजूद तेल बेचने में उसकी मदद की जो कि अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के ईरान पर लगे प्रतिबंधों का भी उल्लंघन है.

अमेरिका का कहना था कि इन चारों भारतीय कंपनियों ने प्रतिबंध के बावजूद ईरानी तेल के परिवहन, बिक्री और मार्केटिंग में योगदान दिया. भारतीय फर्मों पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ अमेरिका ने इनसे जुड़े कार्गो शिप को भी निशाना बनाया था।

नक्सल अभियानों का परिणाम केवल मारे गए नक्सलियों की संख्या तक सीमित नहीं

अभियान का उद्देश्य समस्या का अंत करना है : सुंदरराज पी

बीजापुर ■ एजेंसी

तेलंगाना की सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ी पर देश का सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान के आज दसवें दिन बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने अभियान पर खुलासा करते हुए कहा कि अभियानों का परिणाम केवल मारे गए नक्सलियों की संख्या या बरामद किए गए, हथियारों की गणना तक सीमित नहीं है। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य प्रतिबंधित नक्सली संगठन के कब्जे से क्षेत्र को मुक्त कराना और स्थानीय ग्रामीणों के लिए उस भूमि को पुनः सुरक्षित बनाना भी है। मिशन संकल्प का उद्देश्य बस्तर और देश के अन्य प्रभावित क्षेत्रों में दशकों से चली आ रही वामपंथी उग्रवाद की समस्या का अंत करना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से, किसी भी अभियान की विस्तृत जानकारी उसके पूर्ण होने तक साझा नहीं की जा सकती है।

बस्तर आईजीने कहा कि नक्सलियों ने पवित्र बस्तर की भूमि में पहाड़ियों, नदियों और घाटियों के किनारे आईईडी लगाकर स्थानीय आदिवासियों को चेतावनी दी कि वे अपनी ही भूमि में प्रवेश न करें। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि नक्सलियों को ऐसा नापाक कार्य करने और निर्दोष नागरिकों, जानवरों तथा अन्य जीवों के जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार आखिर किसने दिया? सुशीला सोढ़ी जैसी निर्दोष आदिवासी महिला की शहादत (जो 30 मार्च 2025 को जिला बीजापुर के उसूर क्षेत्र में मवेशी चराते समय नक्सली आईईडी विस्फोट में मारी गईं) और अनेक बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और जवानों का बलिदान, जो नक्सली हिंसा के शिकार हुए, हमारे संकल्प को और अधिक दृढ़ बनाती है।

उल्लेखनीय है कि नक्सलियों का सुरक्षित ठिकाना माना जाने वाला करेंगुट्टा का पहाड़ नक्सलियों का अभेद किला माना जाता था। यहीं से नक्सलियों के शीर्ष नेता बस्तर पहुंचकर सारी गतिविधियां चलाते रहे। नक्सलियों की पोलित ब्यूरो, सेंट्रल कमेटी, डीकेएसजेडसीएम, तेलंगाना स्टेट कमेटी के शीर्ष नेताओं की गोपनीय बैठक भी इसी पहाड़ पर होती रही है। करेंगुट्टा पहाड़ी पर देश का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान के दौरान विगत दस दिनों में हुए गतिविधियों में 22 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तेलंगाना की सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ी पर देश के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान पर जवान रवाना हुए थे।

इसके दूसरे दिन से नक्सलियों के साथ जवानों की मुठभेड़ होती रही, गोलीबारी की आवाज गांव तक सुनाई देती रही । इस दौरान जवानों ने 8-8 लाख के इनामी 3 महिला नक्सलियों को ढेर कर दिया गया था। करेंगुट्टा मठभेड़ में अब तक 11 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है, जिसमें से 3 के ही शव बरामद हुए। ऑपरेशन के पांचवें दिन मौके से लौटते वक्त आईईडी विस्फोट की चपेट में आकर एक जवान जख्मी हो गया था । वहीं जवानों ने नक्सलियों द्वारा लगाई गई सैकड़ों आईईडी बरामद की गई । इसके बाद नक्सलियों की गुफा तक सुरक्षाबल पहुंचे। इसी दौरान नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय ने शांति वार्ता की अपील की। इसके साथ ही तेलंगाना की शांति वार्ता समिति ने भी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ बैठक कर नक्सलियों से शांति वार्ता के लिए केंद्र पर भी दबाव डालने कहा है। तेलंगाना के बीआरएस पार्टी के नेता के. चंद्रशेशर ने भी नक्सलियों की युद्धविराम एवं शांति वार्ता को खुला समथर्न देते हुए केंद्र को पत्र लिखने का ऐलान किया। दूसरी तरफ तेलंगाना के पूर्व मंत्री जनारेड्डी के नेतृत्व में नक्सलियों से शांतिवार्ता की समिति का गठन करने की तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस ने ओबीसी और एससी को केवल वोट बैंक के रूप में किया इस्तेमाल : तरुण चुघ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मोदी सरकार के जातिवार गणना के फ़ैसले को जनहित में ऐतिहासिक फ़ैसला बताया । उन्होंने गुरुवार को मीडिया से कहा कि सरकार ने जो अगली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने का फ़ैसला लिया है, यह ऐतिहासिक और युगांतकारी फ़ैसला है ।

भारतीय जनता पार्टी जाति की राजनीति नहीं, बल्कि हर जाति का कल्याण, समाज के हर वर्ग का कल्याण हो, इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री ने निरंतर कल्याण के कार्य किए। चुघ ने कांग्रेस पार्टी को याद दिलाते हुए कहा कि आज जातीय गणना का श्रेय लेने की होड़ में लगे राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि कांग्रेस के शासन में यह क्यों नहीं हुई। कांग्रेस ने सदैव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अनुसूचित जाति (एससी) को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि नेहरू खुद जातिवार गणना के विरोधी थे और कांग्रेस ने ही काका कालेलकर रिपोर्ट भी दबा दी थी। मंडल आयोग के समय इंदिरा गांधी ने रिपोर्ट का विरोध किया, जबकि तत्कालीन गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने जातिवार गणना की मांग खारिज कर दी थी। राजीव गांधी भी इसके पक्ष में नहीं थे। तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने सिर्फ कैबिनेट में विचार का आश्वासन देकर बात टाल दी थी। कांग्रेस का असली चेहरा कुछ और है, जो हर बार नकली मुखौटे के पीछे छिपा रहता है। राहुल गांधी की कांग्रेस का विजन सिर्फ समाज के विभाजन का रहा है। कांग्रेस का चरित्र अवसरवादी और वोटबैंक की राजनीति करने वाला है। आज कांग्रेस की फैमिली फर्स्ट, घमंड और पाखंड में डूबी है। कांग्रेस पार्टी के बयानों से पता चलता है कि उनके लिए सामाजिक न्याय महज राजनीतिक स्वार्थपूर्ति के लिए है।

सोना गिरवी रखने का झांसा देकर ठग ने गोल्ड फायनेंस कंपनी को लगाया लाखों का चूना

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शाहपुरा थाना पुलिस ने एक ऐसे जालसाज के खिलाफ मामला कायम किया है, जिसने एक गोल्ड फायनेंस कंपनी से डील कर कहा कि मैंने दूसरे कंपनी में अपना सोना गिरवी रखकर लोन लिया हुआ है। अगर आप मुझे ज्यादा मुनाफा दे तो मैं वहां से सोना निकालकर आपकी कंपनी में रखवा दूंगा। गोल्ड कंपनी के प्रतिनिधि ने बातचीत के बाद भरोसा करते हुए सोना रखने से पहले ही रकम का चेक दे दिया।

जालसाज ने चेक के पैसे ऐंठ लिए और सोना भी जमा नहीं करवाया। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बसंत देशपांडे ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह रोहित नगर शाहपुरा में मुथुट फायनेंस कंपनी में काम करते है। आरोपी राकेश चौरे नाम का व्यक्ति ब्रांच से पूर्व में लोन ले चुका था, जिसके चलते उसका ब्रांच में आना-जाना था। बीते जनवरी महीने में राकेश ब्रांच में आया और उसने कहा की मैंने टीटी नगर स्थित कैप्री गोल्ड फायनेंस कंपनी में सोना गिरवी रखकर लोन लिया है। अगर आपकी कंपनी मुझे मुनाफा दे तो सोना वहां से निकालकर आपकी कंपनी में गिरवी रख दुगां।

कंपनी कर्मचारी ने उसका प्रपोजल मुख्यालय भेजा वहां से प्रस्ताव फायनल होने के बाद तीन लाख रुपए से अधिक रकम का चैक राकेश को देते हुए जल्द ही सोना लाकर उनकी कंपनी में गिरवी रखने को कहा। चेक लेने के बाद आरोपी चंपत हो गया और उसने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया।

गोविंदपुरा क्षेत्र की बस्तियों में भ्रमण कर रहवासियों की सुनी समस्याएं

सीवेज और नाली मरम्मत वर्षा पूर्व करना सुनिश्चित करें: राज्यमंत्री गौर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों का भ्रमण के दौरान जनता से उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि समस्याओं का मौके पर निराकरण के प्रयास भी किये जा रहे है। उन्होंने कहा सीवेज, नाली मरम्मत आदि के कार्यों को वर्षा पूर्व करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर को शंकराचार्य होम्स के रहवासियों ने जलापूर्ति में कम प्रेशर, पानी की कमी, स्ट्रीट लाइट की खराबी एवं सीवेज संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। राज्यमंत्री ने शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। अंजलि विहार के नागरिकों ने जनसंवाद के दौरान जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज व्यवस्था जैसे विषयों को उठाया। इस पर त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

प्रोसपेरा कॉलोनी, वैष्णों परिसर और श्री रामेश्वरम कॉलोनी के रहवासियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्य सड़क से अतिक्रमण हटाने, सीवेज व्यवस्था दुरुस्त करने, स्ट्रीट लाइट सुधारने एवं अन्य नागरिक सुविधाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। यशोदा गार्डन में नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सीवेज व्यवस्था को दुरुस्त करने, अतिक्रमण हटाने एवं पार्क निर्माण कार्यों को गति देने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

गायत्री विहार में रहवासियों ने बताया कि सीवेज लाइन तो हैं, लेकिन वह सीवेज नेटवर्क से कनेक्ट नहीं है। राज्यमंत्री ने मौके पर जाकर अधिकारियों को सीवेज लाइन का कार्य बारिश से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। शिव शक्ति मंदिर गुलाबी नगर में मंदिर के आसपास पेविंग ब्लॉक, स्ट्रीट लाइट, 2 हाईमास्क और मंदिर के मुख्य द्वार पर गेट की मांग को तुरंत स्वीकार करते हुए अधिकारियों को शीघ्र इन्हें पूरा करने के लिए निर्देशित किया। भेल संगम कालोनी बाग सेवनिया के रहवासियों ने मुख्य रूप से 80 फीट रोड पर लाइट की व्यवस्था, खुली पड़ी नालियों पर फर्श लगाने, मेन रोड पर स्पीड से वाहन गुजरते हैं, इसलिए ब्रेकर बनवाने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी रंजिश को लेकरअधेड़ पर चाकू से हमला

भोपाल। हनुमानगंज थाना इलाके में आरोपी युवक ने सब्जी का ठेला लगाने वाले अधेड़ पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार मंगलवारा में रहने वाले 55 वर्षीय शादाब नवबहार सब्जी मंडी में सब्जी का ठेला लगाते हैं। रात करीब 11 बजे आरोपी नदीम नामक युवक का उनके पास पहुंचा और किसी पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। शादाब ने उसका विरोध करते हुए गाली देने से मना किया। इस पर आरोपी और भड़क गया और उसने अपने पास रखा चाकू निकालकर उन पर हमला कर दिया। आरोपी के वार से शादाब के हाथ और सीने में चोट आई है। बाद में थाने पहुंचे फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

घर की बालकनी से गिरी दो साल की मासूम ने दो दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में तीसरी मंजिल की बालकनी से सदिंग्ध हालत में गिरकर गंभीर रुप से घायल हुई दो साल चार महीने की मासूम बच्ची ने दो दिन चले इलाज के बाद एम्स हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार रॉयल पाम के पास इंद्रा नगर मल्टी में ईडब्ल्यूएस में थर्ड फ्लोर पर परिवार सहित रहने वाले राजेश राय मंडीदीप स्थित एक कोल्ड ड्रिंक कंपनी में में काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके परिवार में पत्नि सहित पांच साल का बेटा और दो साल चार महीने की बेटी शानवी राय थी। बीती 28 अप्रैल सोमवार को रात करीब 8 बजे शानवी फ्लैट की बालकनी में खेल रही थी।

बीमारी से तनाव में आई 75 साल की वृद्धा ने खाया जहरीला पदार्थ, हुई मौत

भोपाल। गुनगा इलाके में वृद्ध महिला की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। बताया गया है की वृद्धा को कई बीमारियो ने घेर रखा था, जिसके चलते वह काफी मानसिक तनाव में रहती थी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक थाना इलाके में स्थित ग्राम बुधौर में रहने वाली 75 साल की अजबी बाई पति राजाराम घरेलू महिला थी। उनका परिवार पेशे से खेती-किसानी करता हैं। अधिक उम्र होने के कारण अजबी बाई को कई बीमारियो ने घेर लिया था। हालांकि परिवार वाले उनका उपचार करा रहे थे, लेकिन अधिक आराम न मिलने के कारण वह घर पर ही रहते हुए अधिकतर समय दरवाजे पर ही लेटी रहती थी। बुधवार दोपहर उन्हें अचानक उल्टियां होने लगी और उनकी हालत खराब हो गई।

सीढ़ियो से गिरकर होटल कर्मचारी की मौत

भोपाल। शहर के मंगलवारा थाना इलाके में स्थित एक होटल में सीढ़ियो से गिरकर होटल कर्मचारी की ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने की घटना प्रकाश में आई है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूलत: विदिशा जिले का रहने वाला विजय अहिरवार पिता हल्केराम अहिरवार (33) काम की तलाश में भोपाल आया था। विजय को जहां काम मिलता वह वहीं चला जाता और वहीं रहता था। बीते कुछ दिनों से वह मंगलवारा इलाके में स्थित मिलन होटल में काम करते हुए होटल में ही रह रहा था। 26 अप्रैल को अचानक सीढ़ियों से गिरकर गंभीर रुप से घायल होने पर साथी कर्मचारियो ने उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। वहॉ इलाज के दौरान बीती सुबह उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया।

नई औद्योगिक क्रांति से प्रदेश के युवाओं का संवरेगा भविष्य, रोजगार के अवसर होंगे सृजित

जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां सक्षम : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप जनजातीय भाई-बहनों के समग्र कल्याण के लिए पेसा नियमों को ध्यान में रखते हुए जनजातीय क्षेत्रों के विकास को और अधिक गति दी जा रही है। प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में बसे जनजातीय परिवारों को भी केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं जैसे पक्का मकान, निःशुल्क राशन और आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि हर गरीब और जरूरतमंद के बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए हमारी सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। राज्य सरकार तेंदुपत्ता संग्राहकों को बोनस देकर प्रोत्साहित कर रही है। तेंदूपत्ता के शासकीय मूल्य में 1000 रुपए प्रति मानक बोरा की वृद्धि कर इसे 4000 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अभी 15 हजार वन समितियां हैं। जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां निरापद रूप से सर्वाधिक सक्षम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को खंडवा जिले के हरसूद में तेंदूपत्ता , वन समितियों और जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, विधायक नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गीता भवनों का निर्माण कार्य हो रहा है।

हरसूद को नए अस्पताल, स्कूल और सिंचाई परियोजना की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय बुजुर्गों को टार्च और एफएम जैसी आधुनिक तकनीक से लैस छड़ी (स्टिक) का वितरण किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पात्रतानुसार हितलाभ के चेक, ई-रिक्शा प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल, अस्पताल जैसे विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद में जल संरक्षण के लिये सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर वर्षा जल की बूंद-बूंद सहेजने के उद्देश्य विषय पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद को विकास कार्यों की सौगात दी, जिनमें 20 करोड़ की लागत की नया अस्पताल, सांदिपनि आदर्श विद्यालय, 45 करोड़ की लागत से नई सिंचाई परियोजना शामिल है।

प्रदेश में बुजुर्गों को सहारा और सम्मान देने वाली सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज बुजुर्गों को आधुनिक जादू की छड़ी मिली है। प्रदेश में बुजुर्गों को सहारा और सम्मान देने वाली सरकार है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार समृद्ध, सशक्त और विकसित मध्यप्रदेश बनाने के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही है। प्रदेश में खेतों को सिंचित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सिंचाई का रकबा बढ़ने से सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। मध्यप्रदेश में गेहूं का उपार्जन मूल्य 2600 रुपए है, जो देशभर में सर्वाधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में शुरू हुई 2 राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं के संदर्भ में कहा कि राज्य सरकार पड़ोसी राज्यों के साथ सभी लंबित मुद्दों को सुलझा रही है। राजस्थान के बाद अब महाराष्ट्र के साथ नदी जल समझौतों की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

ब्रोशर का हुआ विमोचन, मजदूरों का हुआ सम्मान

छोटी नदियों के संरक्षण से बड़ी नदियाँ रहेगी अविरल प्रवाहित: मंत्री पटेल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ जल को संरक्षित करना नहीं, जल स्त्रोतों को बचाना भी है। उन्होंने कहा कि बड़ी नदियों को बचाने के लिए छोटी नदियों को बारहमासी करने का मौका अभी हमारे पास हैं। हमारे पूर्वजों ने बावड़ियां बनाई, कुएं बनाए है, उन्हें सहजने का कार्य हमें करना होगा। उन्होंने कहा कि उद्देश्य बड़ा साफ है, छोटी नदियों को हमने अगर बारहमासी करदिकया तो बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा रहेगा। मंत्री श्री पटेल गुरुवार को दमोह जिले के किशन तलैया में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी, विधायक एवं पूर्व मंत्री दमोह जयंत कुमार मलैया, विधायक हटा श्रीमती उमादेवी खटीक, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, अधिकारी-कर्मचारीगण, नागरिक मौजूद रहे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेगा। विगत वर्ष 32 नदियों को जोड़ने का संकल्प लिया था इस बार संकल्प है, मध्यप्रदेश में नर्मदा बेसिन, गोदावरी बेसिन, गंगा बेसिन उसमें जाने वाली किसी भी नदी का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में है, उस तक पहुँचने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा सीधे नदी से पानी लेते है, तो एक भी बूँद पानी नही बचता ओर बाद में हम मवेशियों के लिये ट्यूबवेल से भरते है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से जल संरक्षण कार्य किया जायेगा, सरकार इसकी अगुवाई कर रही हैं।

मंत्री पटेल ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभारी हूँ कि सांस्कृतिक अमूर्त धरोहर के रूप में नर्मदा परिक्रमा को शामिल किया गया है।

जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने की कवायद

निजी कंपनियों के इंजीनियरों को पास करनी होगी परीक्षा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में जल जीवन मिशन योजना में पारदर्शिता लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब प्राइवेट कंपनियों के माध्यम से काम करने वाले इंजीनियरों को परीक्षा पास करना अनिवार्य होगा। इसको लेकर जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने एमपी ऑनलाइन से परीक्षा कराने का आग्रह किया है। दरसअल प्रदेश भर में जल जीवन मिशन के मॉनिटरिंग का काम निजी कंपनी द्वारा करवाया जा रहा है। इसमें करीब 2000 से ज्यादा इंजीनियर काम करते हैं। इन इंजीनियरों की भर्ती निजी कंपनियां करती हैं और साक्षात्कार जल निगम के अधिकारी लेते हैं। लेकिन लगातार आरोप लगाते हैं कि अनस्किल्ड लोगों की भर्ती की जा रही है। इस तरह की शिकायत से उबरने के लिए एमडी ने नई रणनीति तैयार की है और एमपी ऑनलाइन से परीक्षा करने का निर्णय लिया है।

दो हजार इंजीनियरों को नौकरी जाने का डर: जल निगम के एमडी द्वारा एमपी ऑनलाइन को भेजे गए लेटर के बाद प्रदेश भर में एसक्यूसी/टीपीआईए अभियंताओं में नौकरी जाने का डर भर गया है। दरअसल जो लेटर एमडी में एमपी ऑनलाइन को लिखा है उसमें स्पष्ट नहीं है कि परीक्षा किन अभियंताओं की होनी है, जो वर्तमान में काम कर रहे हैं उनकी या नई भर्ती की। एक इंजीनियर ने बातया कि इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि कार्यरत अभियंताओं को ही सेवा के दौरान परीक्षा देने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे यह संदेह होता है कि यह प्रक्रिया मात्र एक औपचारिकता बनाकर कर्मियों को हटाने के उद्देश्य से अपनाई गई है।

केवल विभाग से संबंधित ही पूछे जाएंगे सवाल

जल निगम के एमडी केवीएस चौधरी ने बताया कि यह परीक्षा विभाग में पारदर्शिता लाने के लिए की जा रही है। कई जगह से शिकायत आ रही है कि इंजीनियरों की भर्ती में लापरवाही की जा रही है। इसे देखते हुए एमपी ऑनलाइन से हमने आग्रह किया है कि एग्जाम कंडक्ट करें। चौधरी ने बताया कि इस एग्जाम में कोई बाहर के सवाल नहीं पूछे जाएंगे केवल विभाग और जल जीवन मिशन के काम से संबंधित ही सवाल पूछे जाएंगे। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। जिसे काम आता होगा उसे बाहर नहीं किया जाएगा। और पहले से काम करने वाले इंजीनियरों की परीक्षा नहीं ली जाएगी। जो नई भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा। चौधरी ने बताया कि जल निगम कई नए टेंडर कर रहा है, कई हो गए हैं उनमें जिन इंजीनियरों की भर्ती की जाएगी उनका एग्जाम लिया जाएगा।

इलाके में ही घूम रहा था जिला बदर बदमाश, पुलिस ने दबोचा

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना पुलिस ने बीती दोपहर एक ऐसे आदतन बदमाश को गिरफ्तार किया है, जिसका अपराधिक रिकार्ड देखते हुए उसे जिला बदर किये जाने के आदेश दिये गये थे। लेकिन इसके बाद भी बदमाश इलाके में घूमते हुए लोगों को धमका रहा था। थाना पुलिस के अनुसार थाना इलाके में रहने वाला शारूख उर्फ बच्चा (25) पुत्र साजिद के खिलाफ लूट, धमकी, चोरी, अड़ीबाजी सहित अन्य धारओ के कई मामले दर्ज है। उसका आपराधिक रिकार्ड देखते हुए कुछ दिनों पहले उसे जिला बदर किया गया था। लेकिन जिला बदर आदेश के बाद भी बदमाश इलाके में ही घूमते हुए लोगो को धमका रहा था। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए उसे भोपाल टॉकीज चौराहे से दबोच लिया। उसके खिलाफ जिला बदर आदेश का उल्लघंने करने का मामला दर्ज कर गिरफ्तार करते हुए आगे की कार्यवाही की जा रही है।

सुलतानपुर-मुंबई के बीच चलेगी समर स्पेशल ट्रेन, भोपाल मंडल से होकर गुजरेगी

गर्मियों की छुट्टी में आने-जाने वाले यात्रियों को मिलेगा फायदा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

गर्मियों में ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सुलतानपुर से मुंबई के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। यह ट्रेन 8-8 ट्रिप के साथ चलेगी। इस फैसले से यूपी और महाराष्ट्र के बीच यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी। ट्रेन भोपाल मंडल के बीना, रानी कमलापति और इटारसी जैसे स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक गाड़ी संख्या 04212 सुलतानपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 5 मई से 23 जून 2025 तक हर सोमवार को सुबह 4 बजे सुलतानपुर जंक्शन से रवाना होगी। यह ट्रेन उसी दिन शाम 5:30 बजे बीना, रात 8:00 बजे रानी कमलापति और रात 10:20 बजे इटारसी पहुंचेगी। इसके बाद अलग-अलग स्टेशनों से होती हुई मंगलवार दोपहर 2:00 बजे मुंबई के एलटीटी स्टेशन पहुंचेगी।

वहीं वापसी में, गाड़ी संख्या 04211 एलटीटी-सुलतानपुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 6 मई से 24 जून 2025 तक हर मंगलवार को शाम 4:35 बजे एलटीटी स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन बुधवार सुबह 6:00 बजे इटारसी, 7:45 बजे रानी कमलापति और 10:50 बजे बीना पहुंचेगी। इसके बाद अन्य स्टेशनों से होते हुए बुधवार रात 11 बजे सुलतानपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, खंडवा, भुसावल, नासिक रोड, कल्याण और ठाणे पर भी ठहराव लेगी।

खाली जिलों में एक सप्ताह में होगी घोषणा

मप्र में कांग्रेस के आधे जिला अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में कांग्रेस बड़े बदलाव की तैयारी में जुटी हुई है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार जिलाध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड खंगला जा रहा है। रिपोर्ट कार्ड ही उनका सियासी भविष्य तय करेगा। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी जिलों में बदलाव होना तय है। वहीं नए की तलाश भी शुरू हो गई है। लेकिन कांग्रेस का पहला फोकस उन जिलों पर है जहां जिलाध्यक्ष की कुर्सी खाली है। बताया जा रहा है कि पार्टी इस महीने उन जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति कर देगी, जहां अध्यक्ष नहीं हैं। बता दें कि मप्र में कांग्रेस के अभी 80 संगठनात्मक जिला और 800 संगठनात्मक ब्लॉक अध्यक्ष के पद हैं। इनमें से 50 फीसदी जिला अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के लिए 60 वर्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए 45 साल की उम्र लगभग तय कर दी है।

मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा करीब दो महीने से जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की नए सिरे से नियुक्ति करने की कवायद की जा रही है। माना जा रहा था कि लगभग 50 फीसदी जिलों में कांग्रेस अपने जिलाध्यक्ष बदल देगी। लेकिन अब जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि अभी केवल पांच जिलों में ही अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। बाकी जिलों की घोषणा जून माह के बाद होगी। जिन पांच जिलों में घोषणा होगी, उनमें खंडवा के शहर और ग्रामीण, रतलाम ग्रामीण, कटनी और रायसेन जिला शामिल है।

इन पांच जिले में मई माह में अध्यक्ष की नियुक्ति करने की तैयारी है। पांच ही जिलों के लिए तीन-तीन नाम की पैनल बना ली गई है। संगठन से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि बाकी जिलों की घोषणा जून के बाद होगी। फिलहाल पार्टी का फोकस 40 दिनी अभियान पर है, जिसके तहत मप्र की प्रत्येक विधानसभा में घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

जिलाध्यक्षों को बनाया जाएगा पावरफुल

दरअसल, अहमदावाद अधिवेशन में जिलाध्यक्षों के मामले में अहम प्रस्ताव पारित हुआ था। इसके तहत उन्हें पावरफुल बनाया जाना है। यानी जिला स्तर के फैसले इनकी मर्जी से होंगे। चुनाव में उम्मीदवार तय करने में भी भूमिका होगी। प्रस्ताव को संपूर्ण नियमावली के साथ संगठनात्मक ढांचा मजबूत बनाने सभी प्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा। ऐसे में जिला स्तर पर फेरबदल तय है। जिलाध्यक्षों से लेकर ब्लॉकों में नए पदाधिकारी नियुक्त होंगे। ग्रामीण जिलाध्यक्ष भी बदलेंगे। जिले के संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव होंगे। ऐसे कार्यकर्ता जो लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, उन्हें नई और अहम जिमेदारियां दी जाएंगी। युवा, उर्जावान लोगों को अवसर दिया जाएगा। शहर व जिले के लगभग सभी ब्लॉक में नए अध्यक्ष नियुक्त करने की तैयारी है।

सड़क पार कर रहे वृद्ध को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर, घायल

भोपाल ■ निसं

हनुमानगंज इलाके में सड़क पार कर रहे एक अधेड़ व्यक्ति को ई-रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हनुमानगंज स्थित एक लॉज में रहने वाले रामा गुप्ता (55) साइकिल पर समोसे बेचने का काम करते हैं।

रात करीब नौ बजे वह लॉज के पास ही सड़क पार कर जा रहे थे। उसी समय तेज रफ्तार से आ रहे बैटरी आटो ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रामा गुप्ता को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ उनका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद उनके परिवार वाले राजगढ़ से भोपाल पहुंचे इसके बाद थाने में टक्कर मारने वाले आटो चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उधर पिपलानी पुलिस ने बताया की शांति निकेतन गोविंदपुरा में रहने वाले भगवती प्रसाद पिछले दिनों सुबह करीब 10 बजे अपने दो पहिया वाहन से इंद्रपुरी से घर की और जा रहे थे। रास्ते में स्थित शनि मंदिर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में चलते वाहन सहित सड़क पर गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराने के बाद पुलिस में टक्कर मारकर फरार होने वाले अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

अनमोल वचन

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ।
वेदव्यास

जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यत- सबसे बड़ा मूर्ख होता है।
सुदर्शन

सम्पादकीय

जाति जनगणना अर्थात विपक्ष को मुद्दा विहीन करती मोदी सरकार

लोकतंत्र में सरकार के काम-काज पर पैनी नजर रखने का काम विपक्ष के पाले में आता है। सरकार की गलतियों और खामियों को उजागर करते हुए जनहितैषी मुद्दों को समय-समय पर उठाते रहने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। ऐसा करते हुए विपक्ष जनसामान्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का काम करता है, ताकि चुनाव के दौरान इसी आधार पर वह वोट मांग सके। जो विपक्ष ऐसा करने में असफल रहता है, उसे जनता नकार देती है और फिर वो राजनीतिक गलियारे के हाशिये में पहुंच जाता है। विपक्ष को फेल साबित करने के लिए सरकारें भी साम, दाम, दंड-भेद का इस्तेमाल करती आई हैं। सियासी शतरंजी चालों से विपक्ष के मुद्दों को हथिया लेना और उन्हें मुद्दाविहन कर असहाय बना देना सरकारों का शगल रहा है। इसलिए ईमानदार विपक्ष को सदा से ही जनहितैषी मुद्दों की दरकार रहती आई है। ताकि वो सरकार को घेर सकें और अपनी मांगे मंगवा सकें। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी और अन्य कुछ विपक्षी दल काफी लंबे समय से देश में जाति जनगणना कराने की मांग उठाते रहे हैं। पिछले कुछ समय से तो कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रत्येक मंच से देश में जाति जनगणना कराए जाने वाले मुद्दे को प्रमुखता से उठाते चले आ रहे हैं। अब चूंकि इसी साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, अत- इस प्रभावी मुद्दे को विशेष तौर पर सियासी धार दिए जाने का काम हो रहा था। विपक्ष की इस चाल को मोदी सरकार और भाजपा ने समय रहते भांप लिया और विपक्ष की मांग को एक तरह से मानकर उनके हाथ से इस अहम मुद्दे को भी छीन लिया है। यह अलग बात है कि अब इसका श्रेय लेने की होड़ भी मच गई है। यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने अप्रत्याशित तौर पर जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया है। मतलब आम जनगणना जो होगी उसी में इसे जोड़ दिया जाएगा। इस प्रकार मोदी सरकार पहले तो इस मुद्दे से बचती रही, फिर विपक्ष के दबाव और राजनीतिक मजबूरियों के चलते यह निर्णय लिया। बावजूद इसके यह सवाल अनुत्तरित है कि जनगणना कब होगी और इसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे या नहीं? यदि मोदी सरकार जाति जनगणना करा पाती है और इसके आंकड़े भी सार्वजनिक करते हुए जारी करती है तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह काम पहली बार होगा। यहां बताते चलें कि इससे पहले ऐतिहासिक तौर पर अंग्रेजी शासनकाल 1931 में जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे आधार बनाकर बताया गया था कि देश में कुल 4,147 जातियां दर्ज की गईं। इस जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर मंडल कमीशन ने 1980 में पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देने की रिपोर्ट पेश की थी। मंडल आयोग की इस रिपोर्ट को 1991 में वीपी सिंह सरकार ने लागू करने का काम किया। इसके बाद साल 2011 में भी जाति जनगणना करवाई गई, लेकिन तब इसके आंकड़े सरकार ने जारी नहीं किए। बहरहाल अब मोदी सरकार ने जातीय जनगणना कराए जाने का फैसला तो ले लिया, लेकिन संघ और भाजपा को यह डर अब भी सताए जा रहा है कि ऐसा करने से उनका बृहद हिंदुत्व का एजेंडा कहीं पीछे न छूट जाए। दरअसल 1931 की रिपोर्ट और मंडल कमीशन के रिसर्च से यह सामने आया था कि देश में पिछड़े वर्ग की आबादी 54 फीसद है। अब यदि जातीय जनगणना होती है तो यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, ऐसे में राजनीतिक समीकरण बदल भी सकते हैं। इसके बाद हो सकता है कि संघ और भाजपा का हिंदुत्व वाला मुद्दा भी हाशिये पर चला जाए और विपक्ष इसका बेजा लाभ ले आगे निकल जाए। दिलचस्प बात तो यह है कि जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार कभी स्पष्टत- खुलकर विरोध में खड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में भी इसके खिलाफ दलीलें दी गईं थीं, लेकिन अब वही मोदी सरकार इसे अपनाने की तैयारी में दिख रही है। इसका कारण साफ है, कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष, खासकर आरजेडी और कांग्रेस, जातीय जनगणना को एक प्रमुख मुद्दा बना रहे थे। राहुल गांधी ने तो इसे पिछड़ों की पहचान और हक की लड़ाई का नाम दे दिया था। अब जब केंद्र सरकार ने खुद जातीय जनगणना कराने का संकेत दिया है, तो विपक्ष का यह बड़ा चुनावी हथियार अप्रभावी हो सकता है। यह राजनीतिक चाल न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश में सामाजिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो कभी विपक्ष के गठबंधन इंडिया के संयोजक बनने की कोशिश कर रहे थे, अब मोदी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि बीजेपी नीतीश की नीतियों को अपनाकर बिहार में जातीय आधार पर मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है। अब देखना यह होगा कि मोदी सरकार बिहार चुनाव से पहले विपक्ष को मुद्दा विहीन करने में सफल हो पाती है या नहीं। खासतौर पर तब जबकि कांग्रेस व अन्य प्रमुख विपक्षी दलों ने देश में संविधान बचाओ आंदोलन जो चला रखा है।

चिंतन-मनन

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं।

ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया। आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन

तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत् के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं।

आयुष्मान भारत योजना दिवस - स्वस्थ शुरुआत आशापूर्णा भविष्य

इन दिनों हम लोग जिस तरह की जीवनशैली जी रहे हैं, उसे देखकर ऐसा कहा जाए कि बीमारियां पैसे देखकर नहीं आती है, तो गलत नहीं होगा। प्रदूषण, खानपान, खाने में एडल्ट्रेशन का इस्तेमाल और फिजिकल वर्क आउट की कमी के कारण बीमारियां लोगों को कम उम्र में ही घेर लेती हैं। बीमारी किसी भी कारण से शरीर में आए, लेकिन जब बात इलाज की आती है, तो जेब खंगालनी ही पड़ती है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी के बाद स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्तता, अनिवार्यता व विशेषता का पता चला है,कि इसके बिना किस तरह लाखों लोगों की मौत हो सकती है, इस महामारी ने पूरी दुनियाँ को हिला डाला था,पूर्ण विकसित देशों में तो शायद सबसे अधिक मौतें हुई थी, इसलिए आज हर देश स्वास्थ्य सेवाओं व वैज्ञानिक तकनीक के महत्व पर बल देता है व मध्यम गरीब व निम्न आय वर्ग वालों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं भी अक्सर अनेक देशों में लागू की जा रही है। इन दिनों हम लोग जिस तरह की जीवनशैली जी रहे हैं, उसे देखकर ऐसा कहा जाए कि बीमारियां पैसे देखकर नहीं आती है, तो गलत नहीं होगा। प्रदूषण, खानपान, खाने में एडल्ट्रेशन का इस्तेमाल और फिजिकल वर्क आउट की कमी के कारण बीमारियां लोगों को कम उम्र में ही घेर लेती हैं। बीमारी किसी भी कारण से शरीर में आए, लेकिन जब बात इलाज की आती है, तो जेब खंगालनी ही पड़ती है। भारत जैसे विकासशील देशों में आज भी हर साल हजारों लोगों की मौत सिर्फ पैसों के कारण इलाज न मिलने की वजह से हो रही है। देश के सभी वर्गों को इलाज मिल सके, इसके लिए भारत सरकार द्वारा 2018 में आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ किया गया था। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 30 अप्रैल 2025 को आयुष्मान भारत योजना दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है जिसमें वर्ष 2025 की थीम स्वस्थ्य शुरुआत आशापूर्ण भविष्य रखी गई है। चूँकि भारत में निम्न आय वर्ग को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना एक बेहतरीन पहल है व आयुष्मान योजना का उद्देश्य 50 करोड़ से अधिक नागरिकों कोगुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करके सुरक्षा प्रदान करना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आयुष्मान भारत योजना दिवस 30 अप्रैल 2025, स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य। साथियों बात अगर हम आयुष्मान भारत योजना को जानने की करें तो,आयुष्मान भारत दिवस आयुष्मान भारत योजना के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।यह योजना भारत सरकार के उन उद्देश्यों की पूर्ति को दर्शाती है जो संयुक्त राष्ट्र के तहत सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं। भारत की मोदी सरकार ने लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच बनाने के लिए इसी उद्देश्य से इस योजना को शुरू किया है ताकि भारत की बड़ी आबादी को बेहतर स्वास्थ्य और उपचार मिल सके। इसमें गरीबी रेखा से नीचे की आबादी शामिल है जो आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ भी प्राप्त कर सकते हैं। आयुष्मान भारत दिवस आयुष्मान भारत योजना के इर्द-गिर्द

घूमता है, इस दिन का मुख्य उद्देश्य भारत की एक बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवा लाभ प्रदान करना है जो अपने लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का खर्च नहीं उठा सकते हैं। आयुष्मान भारत से संबंधित अधिकारी हमारे देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए मैन्युअल रूप से विभिन्न योजनाओं और पहलों को लॉन्च करते हैं। यह दिन आयुष्मान भारत योजना के आदर्शों को बढ़ावा देता है।यह योजना भारत सरकार के उन उद्देश्यों की पूर्ति को दर्शाती है जो संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के तहत सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के संबंध में संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है। साथियों बात अगर हमआयुष्मान भारत योजना में 70 से अधिक बीमारियों का इलाज फ्री में करने की करें तो, केंद्र सरकार की इस योजना में आयुष्मान भारत योजना के तहत, लाभार्थी अस्पताल में भर्ती होने, डेकेयर प्रक्रियाओं और सर्जरी जैसी विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं का लाभ बिना पैसे खर्च किए उठा सकते हैं। इस योजना में पहले से मौजूद बीमारियां और गंभीर बीमारियां भी शामिल हैं। सरकार द्वारा जारी किए डाटा के अनुसार आयुष्मान योजना में 1393 परिभाषित पैकेज, एक संभावित सर्जिकल पैकेज और 24 विशेषज्ञ क्षेत्र शामिल हैं।, इस योजना में कैंसर, हार्ट डिजीज, किडनी से जुड़ी बीमारियां, कोरोना, मोतियाबिंद, डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया, घुटना और नी रिप्लेसमेंट, जलने से चोट लगना, नवजात शिशु को हुए रोग, जन्मजात विकार, मोतियाबिंद, सर्जिकल डिलीवरी, और मलेरिया समेत बीमारियों का इलाज सरकार अस्पतालों में किया जा सकता है।इनबीमारियों के अलावा डबल वाल्वरिप्लेसमेंट पीडियाट्रिक सर्जरी, प्रोस्टेट कैंसर, कोरोनरी आर्टरी बाईपास, पल्मोनरी वाल्व रिप्लेसमेंट, नी और हिप रिप्लोसमेंट, स्कल बेस सर्जरी, टिश्यू एक्सपेंडर, रेडिएशन ओंकोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, एंजियोप्लास्टी जैसे सर्जरी को भी आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया गया है। साथियों बात अगर हम दिल्ली में दिनांक 28 अप्रैल 2025 को उपरोक्त योजना की तर्ज पर आयुष्मान वय वंदन योजना की शुरुआत की करें तो, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी के 70 वर्ष या उससे ज्यादा की आयु के नागरिकों को 10 लाख रुपये तक का फ्री इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

भारतीय जैन मिलन के गौरवशाली 59 वर्ष

विजय कुमार जैन

जब हम पवित्र उद्देश्य को लेकर कोई शुभ कार्य करने का संकल्प लेते हैं तो अवश्य ही उस कार्य में सफलता मिलती है। ऐसा ही प्रयास आज से 59 वर्ष पूर्व दिनांक 2 मई 1966 को गौरवशाली संस्था का देहरादून में जैन समाज के प्रबुद्ध श्रेष्ठी जनों द्वारा भारतीय जैन मिलन के नाम किया था। इस संस्था के गठन का मुख्य उद्देश्य जैन एकता स्थापित करना रहा है। क्योंकि देश की जैन समाज दिगम्बर, श्वैताम्बर, तेरहपंथी, बीसपंथी, स्थानक वासी आदि अनेक वर्गों एवं आमनाओं में बटी हुई है। हम स्मरण करते है उस शुभ दिन 2 मई 1966 को। उस दिन तक इलाहाबाद से लेकर देहरादून तक संस्था की केवल 15 शाखाएं ही कार्यरत थीं। जिन्हें देहरादून में आमंत्रित कर भारतीय जैन मिलन का नाम दिया गया। संस्था के प्रथम अध्यक्ष के रूप में दीपचंद जैन रायपुर एवं महामंत्री के.सी. जैन गर्ग इलाहाबाद, उपमंत्री गोपीचंद जैन देहरादून नियुक्त किये गये। जैन मिलन की पहली शाखा सन 1953 में यद्यपि इलाहाबाद में खुली थी पर इसे भारतीय जैन मिलन का विधिवत रूप 2 मई 1966 को देहरादून में ही मिला। भारतीय जैन मिलन के गठन के साथ ही मिलन के विकास और विस्तार की यात्रा जोर शोर से चली और 59 वर्ष की लम्बी विकास यात्रा के बाद आज संपूर्ण भारत वर्ष में लगभग 1450 शाखाएं हैं। संस्था में सुव्यवस्थित संचालन की दृष्टि से इसे 19 क्षेत्रों में विभाजित किया है। नारी शक्ति को सशक्त बनाने, सामाजिक, धार्मिक, पारमार्थिक गतिविधियों में सहभागी बनाने के पवित्र उद्देश्य से महिला जैन मिलन की लगभग 450 स्वतंत्र शाखाएं संचालित है। देश और समाज के भविष्य युवा जिनके कंधों पर कल समाज और देश की बागडोर होगी उन्हें भी सुसंस्कारित, दीक्षित और नेतृत्व निपुण बनाने के उद्देश्य से युवा जैन मिलन की लगभग 15 शाखाएं खोली गई है। मिलन तीन शब्दों से मिलकर बना है, मि- मित्रता, ल- लगन और न- नम्रता का प्रतीक है। सन 1968 में मिलन शाखाओं की गतिविधियों को प्रत्येक सदस्य तक पहुचाने की आवश्यकता अनुभव करते हुए मिलन के मुखपत्र भारतीय जैन मिलन समाचार पत्रिका को सर्वप्रथम देहरादून से प्रकाशित करने निर्णय लिया गया और तभी से आज तक यह पत्रिका निरंतर प्रगति करती हुई अपने वर्तमान आकर्षक स्वरूप में मेरठ से डिजीटल रूप से हर माह प्रकाशित हो रही है। भारतीय जैन मिलन की प्रगति यात्रा में सन 1980 में उल्लेखनीय सफलता मिली जब इसका विस्तार दक्षिण भारत में हुआ। जैन समाज के वरिष्ठ नेताओं और संतों ने इस अभियान को अपना पावन आशीर्वाद दिया।आज दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में सैंकड़ों जैन मिलन शाखाएं मिलन आन्दोलन को आगे बढ़ा रही है।सन 1985 में उत्तर भारत के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेरठ के समीप सरधना में भारतीय जैन मिलन अस्पताल खोला गया। यह अस्पताल सफलतापूर्वक चल रहा है। 01 मार्च 1997 को भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन का गठन किया। फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, बीमारी,पारमार्थिक कार्यों, आपदा पीड़ितों की सहायता की जाती है। फाउंडेशन के वर्तमान अध्यक्ष अनिल जैन वर्ष बाले मेरठ ने बताया फाउंडेशन का फंड लगभग एक करोड़ दस लाख रुपये हो गया है। पिछले 28 वर्षों से भारतीय जैन मिलन के अन्तर्गत संचालित फाउंडेशन का कार्य सराहनीय है। भारतीय जैन की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 11 अक्टूबर 2015 को स्वर्ण जयन्ती वर्ष में फिक्की आडीटोरियम दिल्ली में जैन समाज की चारों आमनाओं के साधु-सन्तों के पावन सानिध्य में जैन एकता सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।*

खास बात

सरकार गई पर आप नेताओं के बही-खाते चालू आहे

यह सच है कि दिल्ली से आम आदमी पार्टी की सरकार जा चुकी है और भाजपा की रेखा सरकार अपने हिसाब से सत्ता चला रही है, लेकिन इससे आप नेताओं की मुसीबतें कम नहीं हो रही हैं। पहले समझा जा रहा था कि आप की सरकार होने के कारण केंद्र इन्हें परेशान करने इस तरह की कार्रवाईयां करवा रही है, लेकिन अब खबर है कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आप के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया व सत्येंद्र जैन के खिलाफ दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर एफआईआर दर्ज की है। इन पर आरोप है कि करीब 2,000 करोड़ रुपये की लागत से 12,748 कक्षाओं के निर्माण में भारी अनियमितताएं हुईं। अब जबकि सिसोदिया पहले से ही आबकारी नीति मामले में सीबीआई और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं, जबकि जैन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में रह चुके हैं।

कनाडा चुनाव में भारतीय मूल का डंका बजा

तमाम उठा-पटक और आरोप-प्रत्यारोप के बीच कनाडा के आम चुनाव संपन्न हो गए। इसमें खास बात यह रही कि भारतीय मूल के उम्मीदवारों का खूब डंका बजा है। दरअसल कनाडा के हालिया संघीय चुनाव में 24 भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज कर नई संसद में सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। इससे पहले 2021 में यह संख्या 21 बताई गई है। भारतीय मूल के उम्मीदवारों में विजेता रहे अनीता आनंद, बर्दिश चागर और सुख धालीवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। एक बार और यह है कि अधिकतर विजेता पंजाब से संबंध रखते हैं। वहीं, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता और खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

भारतवंशी कमला बिसेसर ने रच दिया इतिहास

त्रिनिदाद और टोबैगो में ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन के बीच भारतवंशी कमला परसाद-बिसेसर देश की नई प्रधानमंत्री बनी हैं। 73 वर्षीय कमला बिसेसर ने यूनाइटेड नेशनल कांग्रेस (यूएनसी) के नेतृत्व में चुनाव जीतकर एक दशक बाद सत्ता में वापसी की है। वे देश की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री भी हैं, जिन्होंने पहले भी 2010 से 2015 तक पद संभाला था। इस जीत के साथ उन्होंने सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल मूवमेंट (पीएनएम) को सत्ता से बाहर कर इतिहास रचने जैसा काम करके दिखा दिया है। ऐसे में भारत सरकार का खुश होना लाजमी है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वे दोनों देशों के ऐतिहासिक और पारिवारिक संबंधों को और सशक्त बनाने के लिए तत्पर हैं।

टीआरएफ की साजिश और सतर्क भारत

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में गुस्से की लहर है, जिसे देखते हुए पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने वाला आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) अब एक और हमले की साजिश रच रहा है। बहरहाल पाकिस्तान को तो भारत की संभावित कार्रवाई का डर सता रहा है, इसलिए वहां के मंत्री खुलेआम भारतीय हमले की आशंका जता रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार अमेरिका और चीन से हस्तक्षेप की गुहार लगा रही है। इन सब को देखते हुए भारत ने भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षाबलों को किसी तरह का निर्णय लेने और कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिमी तिथि पंचमी, शुक्रवासरे, आद्रा नक्षत्रे, शोभन योगे, वालव करणे, मिथुन की चंद्रमा, सर्वार्थ सिद्ध योगश्च 31/05 विद्यारंभ धान्य छेदन द्विरागमन वाहन क्रय विक्रय तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, सुन्दर, सुशील कोमल हृदय वाला, धनीमानी, सुशील तथा जिद्दी-हठी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, उत्तम वृत्तिवाला, प्रवचन वक्ता, लेखक, कवि, वैरागी, संत-महात्मा, योगीभोगी, मठ-मंदिर निर्माणकर्ता, उत्तम वृत्ति वाला, देशभक्त होगा।

मेष राशि- साधन सम्पन्नता के योग फलप्रद हों, आर्थिक योजना अवश्य सफल हों।

वृष राशि- अपने किए पर पछताना पड़ेगा, मानसिक बेचैनी, क्लेश तथा अशांति होगी।

मिथुन राशि- सफलता के साधन प्राप्त हों, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, समय का ध्यान रखें।

कर्क राशि- दैनिक कार्यों में सफलता, स्त्री से सुख, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे।

सिंह राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा, ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, ध्यान दें।

कन्या राशि- धन प्राप्ति, आशानुकूल सफलता में वृद्धि, बिगड़ी कार्य योजना अवश्य बनेगी।

तुला राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे, कार्य होंगे।

वृश्चिक राशि- दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, अधिकारियों से कार्य योजना का लाभ होगा।

धनु राशि- योजना पूर्ण होगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य अवरोध बने।

मकर राशि- कार्य कुशलता से संतोष, स्थिति में सुधार तथा चिन्ता कम होगी, ध्यान दें।

कुंभ राशि- आर्थिक योजना पूर्ण होवे, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी अवश्य होगी।

मीन राशि- दैनिक कार्यों में बाधा, चिन्ता, उद्विघ्नता, धन का व्यय होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

2 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

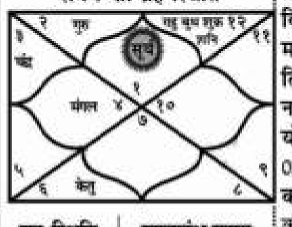

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.13 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.11 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.25 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.41 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.53 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.03 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.18 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.34 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.39 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.26 बजे से
10.30 से		मीन	02.59 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	04.29 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 122 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 13.04 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 05.39 बजे तदनन्तर धृति 03.20 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 09.15 बजे तदनन्तर कौलव 20.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 23'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872332
जूलियन दिन 2460797.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 03
विशेष स्कंद षष्ठी, शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयंती, रामानुजाचार्य जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

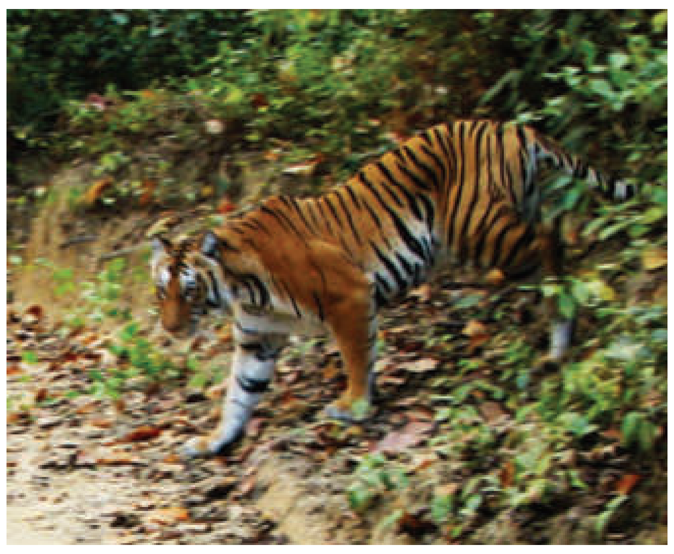

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्राविकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार - केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं ये चार टीमें

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 18 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुर (आरसीबी), पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ में शामिल हुई शीर्ष चार टीमें हैं।

आरसीबी –रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अब तक 10 में से 7 मैच 14 अंक हासिल किये हैं। आरसीबी की नजरें प्लेऑफ का टिकट हासिल कर शीर्ष–2 में बने रहने पर होगी ताकि उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिले।

पंजाब किंग्स– श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स 10 में से 6 मैच जीती है, केकेआर के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। उसके अब तक 13 अंक है। दाके अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए 2 और मैच जीतने होंगे जिससे कि उसके 16 अंक से ऊपर हो जाएं।

मुंबई इंडियंस– खराब शुरुआत से उबरते हुए मुंबई 10 में से 6 मैच जीतकर अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है, उसने 6 में से लगातार 5 मैच जीते हैं। उसके 16 अंक तक पहुंचने के लिए बचे 4 में से 2 मुकाबले जीतने होंगे।

गुजरात टाइटंस– गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। गुजरात के 9 मैचों में 12 अंक है। टीम को अभी 6 और मुकाबले खेलने हैं। इनमें से 2 मैच जीतकर वह प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है, मगर उनकी नजरें शीर्ष 2 पर रहेगी।

मैदान में ही पैंट उतार कर गार्ड पहनने लगा एक क्रिकेटर

नई दिल्ली। क्रिकेट को भद्रजनों का खेल माना जाता है पर अब एक ऐसा वाकया नजर आत है जिससे सभी हैरान हो गये हैं। मैनचेस्टर में लंकाशायर और नॉर्थम्पटनशायर के बीच काउंटी चैंपियनशिप डिवीज़न टू मैच के दौरान ही पिच पर अचानक एक खिलाड़ी ने अचानक ही अपनी पैंट उतार कर अजीब तरीके से गार्ड पहनने लगा। जब बोहनन ने पैंट उतारी और स्पोर्टर पहनने लगे तो उनकी पैंट स्पोर्टर में फंस गई। इससे दर्शक और कमेंटेटर अपनी हंसी नहीं रोक पाये। बोहनन के जॉक स्ट्रैप को एडजस्ट करने से लेकर अपने ट्राउजर और विकेट–कीपिंग पैड को ठीक करने का प्रयास करने लगे। बोहनन ने जब किसी तरह से पैंट और स्पोर्टर पहना तो उनको सिली प्वाइंट पर फील्डिंग करने को कहा गया। उन्होंने विकेटकीपिंग पैड मंगा लिए और बड़ी कठिनाई से उन बड़े साइज के पैड को पैंट के अंदर किया।

गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेगा

गुजरात और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर

अहमदाबाद, एजेंसी। आईपीएल में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। गुजरात का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ ही पिछले मैच में मिली हार से उबरकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। पिछले मैच में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी के कारण उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अब तक काफी अच्छा रहा है, ऐसे में अब वह सनराइजर्स के खिलाफ मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी हर क्षेत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स सनराइजर्स की राह इसलिए भी कठिन नजर आती है क्योंकि उसकी ताकत बल्लेबाजी है जिसमें ही वह अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। वहीं गुजरात ने अब तक अच्छी बल्लेजी और गेंदबाजी की है। उसके पास शुभमन गिर और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं।

गुजरात टीम नौ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे जिससे की प्लेआफ में पहुंचने के लिए उसे 16 अंक मिल जायें। गुजरात के सुदर्शन ने अब तक पांच अर्धशतक समेत 456 रन बनाये हैं। वहीं शुभमन ने 389 और जोस बटलर ने 406 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाज हैं। कृष्णा ने इस स्त्रत में अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और उनका सामना करना सनराइजर्स के लिए आसान नहीं रहेगा।

उसके पास स्पिनर के तौर पर राशिद खान और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज हैं जबकि सनराइजर्स अब तक नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से वह प्लेआफ से बाहर होगी। सनराइजर्स के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर इनमें निरंतरता की कमी रही है। शीर्षक्रम के विफल होने से मध्यक्रम पर दबाव बना है जिससे हेनरिक क्लासेन, नीतिश कुमार रेड्डी और ईशान किशन रन नहीं बना पा रहे।

पिछले दो मैचों में अभिषेक दो अंक तक भी नहीं पहुंच सके जबकि हेड ने 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज भी विफल रहे हैं। अब तक केवल पे हर्षल पटेल ने ही प्रभावित किया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएट्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत।

चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, निप्र। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल आईपीएल में दो हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। चहल ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में हैट्रिक लगायी। इससे पहले उन्होंने 2022 आईपीएल में भी हैट्रिक लगायी थी। उनकी दूसरी हैट्रिक इसलिए भी अहम है क्योंकि सीएसके के खिलाफ आईपीएल में पहली बार कोई गेंदबाज हैट्रिक लगा पाया है। चहल ने ये हैट्रिक 19वें ओवर में लगायी। चहल ने ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट लिया। तीसरी गेंद पर दीपक हुड्डा ने दो रन लिए पर चौथी गेंद पर चहल ने उन्हें आउट कर दिया। उसके बाद चहल ने बाकि की दो गेंदों पर अंशुल कंबोज और नूर अहमद को आउट कर हैट्रिक बनायी। युजवेंद्र चहल की यह आईपीएल में दूसरी हैटट्रिक थी। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हैटट्रिक लगायी थी। तब उन्होंने श्रेयस अय्यर, शिवम मावी और पैट कमिंस को आउट किया था। अब चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा बार हैटट्रिक लेने के मामले में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के नाम आईपीएल में 2–2 हैटट्रिक हैं।

वैभव के प्रशंसक अब उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का इंतजार कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले भारतीय वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक अब चाहते है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करें। वैभव की उम्र अभी केवल 14 साल है पर वह काफी परिपक्व नजर आते हैं। इस बल्लेबाज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदो में ही शतक लगाया दिया जिसमें सात चौके और 11 छक्के शामिल थे।

वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने डेब्यू मैच में ही पहली गेंद पर छक्का लगाया था। वह अपने तीसरे मुकाबले में ही शतक लगाने वाले टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के बल्लेबाज हैं। वैभव ने 14 साल 32 दिन की उम्र में आईपीएल में शतक लगाया था। इससे पहले पाक के हसन रजा ने

14 साल 223 दिन जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन व नेपाल के गुलसन झा ने 15 साल 212 दिन के अलावा केन्या के गुरदीप सिंह ने 15 साल 258 दिन व कनाडा के नितीश कुमार ने 15 साल 273 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।

अंतरराष्टीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड पाक के हसन रजा के नाम पर दर्ज है। केवल 14 साल और 223 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने एकदिवसीय डेब्यू किया था जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद शरीफ ने 15 साल 116 दिन की उम्र में अपनी देश की तरफ से पहला अंतरराष्टीय मैच खेला था।

भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-15

अंडर-17 चैंपियनशिप में चार और स्वर्ण जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों ने पहली एशियाई अंडर 15 और अंडर 17 चैम्पियनशिप के आखिरी दिन चार और स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। भारत ने कुल 15 स्वर्ण, छह रजत और 22 कांस्य पदक जीते और कजाखस्तान तथा उजबेकिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर रहा।

टूर्नामेंट के आखिरी दिन भारत के अंडर 17 दल ने चार स्वर्ण पदक जीते और चारों पदक लड़कियों को मिले। खुशी चंद (46 किलो) ने मंगोलिया की अल्तांजुल अल्तांगादास को 3 . 2 से हराया जबकि आहना शर्मा (50 किलो) और जन्नत (54 किलो) ने उजबेक प्रतिद्वंद्वियों पर 5 . 0 से जीत दर्ज की।

अंशिका ने 80 प्लस किलोवर्ग में जोर्डन की जाना अलालावनेह को हराकर भारत को एक और स्वर्ण दिलाया। लड़कों के अंडर 17 वर्ग में देवांश (80 किलो) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा जिन्हें फाइनल में कजाखस्तान के मुखामेदाली रूस्तेमबेक ने

5–0 से हराया। भारतीय अंडर 17 लड़कों की टीम ने एक रजत और छह कांस्य पदक जीते। अंडर 17 लड़कियों ने दो और रजत पदक जीते जो सिमरनजीत कौर (60 किलो) और हर्षिका (63 किलो) को मिले। लड़कियों ने चार स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक अपने नाम किए।

स्वियातेक का सामना अब कोको गॉफ से दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को 0–6, 6–3, 6–2 से हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। स्वियातेक का सामना अब सेमीफाइनल में कोको गॉफ से होगा जिन्होंने मिर्रा आंद्रीवा को सीधे सेटों में 7–5, 6–1 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में एरिना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने मार्ता कोस्तियुक को 7–6, 7–6 से मात दी, जबकि स्वितोलिना ने मोयुका उचिजिमा को 6–2, 6–1 से हराया। पुरुष वर्ग में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को 6–3, 7–5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना जैक ड्रेपर से होगा जिन्होंने टॉमी पॉल को 6–2, 6–2 से हराया।

एटीएम से पांच लेनदेन मुफ्त, नए बदलाव लागू

छठी बार पैसा निकालने पर देना पड़ेगा 23 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। अब ग्राहकों को एक महीने के दौरान एटीएम से मुफ्त स्वीकार्य सीमा से अधिक की निकासी पर प्रति लेनदेन 23 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर अधिकतम 21 रुपये तक शुल्क वसूलने की अनुमति थी। इससे पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर 21 रुपये तक शुल्क लेने की अनुमति थी। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

एटीएम से जुड़े आरबीआई के निर्देश गुरुवार से लागू हो गए। अब ग्राहकों को एक महीने के दौरान एटीएम से मुफ्त स्वीकार्य सीमा से अधिक की निकासी पर प्रति लेनदेन 23 रुपये का भुगतान करना होगा। पहले बैंकों को ऐसे लेनदेन पर अधिकतम 21 रुपये तक शुल्क वसूलने की अनुमति थी।

दूसरे बैंक के एटीएम से निकासी पर मिलेगा यह लाभ: ग्राहक अपने बैंक की स्वचालित टेलर मशीनों (एटीएम) से हर महीने पांच नि:शुल्क लेनदेन (वित्तीय और गैर–वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए कर सकेंगे। वे अन्य बैंकों के एटीएम से भी मुफ्त लेनदेन (वित्तीय और गैर–वित्तीय लेनदेन सहित) के लिए पात्र हैं। मेट्रो शहरों में ग्राहक तीन लेनदेन और गैर–मेट्रो केंद्रों में पांच लेनदेन मुफ्त में कर सकेंगे।

मुफ्त लेनदेन के बाद अब बैंक अब प्रति लेनदेन वसूल सकेंगे 23 रुपये: भारतीय रिजर्व बैंक

(आरबीआई) ने 28 मार्च को ऑटोमेटेड टेलर मशीनों/कैश रिसाइक्लर मशीनों के उपयोग–इंटरचेंज शुल्क और ग्राहक प्रभार की समीक्षा से जुड़े निर्देश जारी किए थे। आरबीआई के परिपत्र में कहा गया है, मुफ्त लेनदेन के अलावा, ग्राहक से प्रति लेनदेन अधिकतम 23 रुपये का शुल्क लिया जा सकता है। यह 01 मई, 2025 से प्रभावी होगा।

संशोधित निर्देश कैश रिसाइक्लर मशीनों (नकद जमा लेनदेन के अलावा) के जरिए किए गए लेनदेन पर भी लागू होते हैं। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि एटीएम इंटरचेंज शुल्क एटीएम नेटवर्क की ओर से तय किया जाएगा। मार्च 2025 के अंत तक 2,55,885 बैंक एटीएम, कैश रिसाइक्लर मशीन (सीआरएम) और व्हाइट लेबल एटीएम (डब्ल्यूएलए) थे।

एटीएफ की कीमत में की गई 4 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली। ईंधन की खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्टीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। ईंधन की खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्टीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर या 4.4 प्रतिशत घटकर 85,486.80 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। राजधानी देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। मूल्य में यह कटौती 1 अप्रैल को की गई 6.15 प्रतिशत (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी कटौती के बाद की गई है।

वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं

आर्थिक लचीलेपन के लिए घरेलू दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा भी जरूरी

कोलकाता, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था में लचीलापन बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि घरेलू दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा भी हो। कोलकाता में एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा, सरकार निजी क्षेत्र को देश के विकास में एक भरोसेमंद सह–भागीदार के रूप में देखती है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोलकाता के न्यू टाउन में कॉरपोरेट भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, लचीलापन सुनिश्चित करने बनाने का सबसे प्रभावी तरीका घरेलू दक्षता के साथ–साथ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक नीति परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि व्यापार करने में आसानी

के मोर्चे पर भारत में सुधार हो रहा है। यह देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण का प्रमुख घटक है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए व्यावसायिक नियमों को सरल बनाने के लगातार प्रयास कर रही है। कॉरपोरेट प्रशासन में निष्पक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार नवाचार और कौशल विकास की संस्कृति का समर्थन करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश, कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फांसिस्को। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एग्जिक्यूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करेगी अमूल डेयरी

नई दिल्ली। अमूल अब डेयरी से बाहर निकलकर अपने एफएमसीजी पोर्टफोलियो को और मज़बूत करने जा रहा है। कंपनी ऑर्गेनिक चाय, चीनी और मसालों जैसे रोज़मर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक अ ?धिकारी ने बताया कि अमूल अब भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी बन चुकी है, जिसका टर्नओवर इसके सबसे नज़दीकी मल्टीनेशनल प्रतिद्वंद्वी से 10 फीसदी ज्यादा है। कंपनी का लक्ष्य ?वित्त वर्ष 26 के अंत तक 1 लाख करोड़ रुपए का टर्नओवर छूने का है। अमूल न सिर्फ घरेलू बाजार में बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी तेजी से अपने पांव पसार रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब: शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंच चुका हैं, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। यह बयान शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार ने दिया। अमेरिकी मीडिया और पॉलिसी सर्किल में अमेरिका–भारत व्यापार समझौता की चर्चा जोरों पर है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के बाद किसी देश के साथ होने वाली यूएस की यह पहली ट्रेड डील हो सकती है। फिलहाल, अपने व्यापारिक साझेदार देशों के साथ समझौता करने के लिए ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की रोक लगा दी है। अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार जेमिसन ग्रीर से एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या भारत के साथ समझौता अंतिम चरण के करीब है।

डुअल-सिलेंडर तकनीक के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो रही टाटा पंच आईसीएनजी

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स की सीएनजी कारों की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और इसका मुख्य कारण कंपनी की डुअल–सिलेंडर तकनीक है, जो गाड़ियों में पर्याप्त बूट स्पेस के साथ सिलेंडर को छिपाने की सुविधा देती है। इस तकनीक से टाटा की सीएनजी कारें न केवल जगह की बचत करती हैं, बल्कि बेहतर परफॉर्मेंस और माइलेज भी देती हैं। खासकर टाटा पंच सीएनजी, जो कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पहले से ही नंबर–1 मॉडल मानी जाती है, अब अपने सीएनजी वर्जन के शानदार रियल वर्ल्ड माइलेज की वजह से चर्चा में है।

रिपोर्ट में सामने आया है कि टाटा पंच आईसीएनजी ने शहर में 20.7 किलोमीटर प्रति किलोग्राम और हाईवे पर 31 किलोमीटर प्रति किलोग्राम का माइलेज दिया। यह आंकड़े एआरएआई द्वारा बताए गए 26.99 किलोमीटर प्रति किलोग्राम के माइलेज से भी बेहतर हैं। रिपोर्ट के अनुसार टेस्ट के लिए सीएनजी टैंक को खाली

किया गया, फिर टैंक में 2 किलोग्राम सीएनजी भरी गई। इसके बाद कार को तब तक चलाया गया जब तक टैंक में गैस खत्म नहीं हुई। यह प्रक्रिया शहर और हाईवे दोनों पर की गई।

टेस्ट के दौरान टायर प्रेशर को कंपनी की सिफारिश के अनुसार रखा गया और कार में केवल एक ही व्यक्ति मौजूद था, शख्स ने जरूरत पड़ने पर एसी, वाइपर और ऑडियो सिस्टम का उपयोग किया।

2025 में कितना बदला ईपीएफओ?

ग्राहकों की प्रोफाइल में सुधार आसान, खाता ट्रांसफर का झंझट भी खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। ईपीएफओ ने ग्राहकों की ओर से प्रोफाइल अपडेट करने की प्रक्रिया आसान कर दी है। अगर आपका यूएएन नंबर आधार से जुड़ा है तो आप अब अपने नाम, जन्मतिथि, लिंग, राष्टीयता, माता–पिता के नाम, वैवाहिक स्थिति, जीवनसाथी की जानकारी और नौकरी शुरू और खत्म होने की तारीख जैसी अहम जानकारियां खुद ही अपडेट कर सकते हैं। आइए साल 2025 में ईपीएफओ में हुए पांच अहम बदलावों के बारे में जानते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने साल 2025 में अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए कई बड़े और अहम बदलाव किए हैं। इनका मकसद कर्मचारियों को अधिक से अधिक

सुविधा देना, प्रक्रियाओं को डिजिटल व आसान बनाने के साथ पारदर्शिता लाना है। ये बदलाव प्रोफाइल अपडेट करने, नौकरी बदलने पर पीएफ खाता ट्रांसफर करने या फिर अधिक पेंशन से जुड़ी नीतियों से जुड़े हैं।

प्रोफाइल अपडेट करना अब हुआ आसान: ईपीएफओ ने ग्राहकों की ओर से प्रोफाइल अपडेट करने की प्रक्रिया आसान कर दी है। अगर आपका यूएएन नंबर आधार से जुड़ा है तो आप अब अपने नाम, जन्मतिथि, लिंग, राष्टीयता, माता–पिता के नाम, वैवाहिक स्थिति, जीवनसाथी की जानकारी और नौकरी शुरू और खत्म होने की तारीख जैसी अहम जानकारियां खुद ही अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए किसी दस्तावेज की भी जरूरत नहीं है और इसे ऑनलाइन ही किया जा सकता है। हालांकि, यदि ग्राहक का यूएएन 1 अक्तूबर 2017 से पहले का है, तो कुछ चीजों में बदलाव के लिए उन्हें नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत हो सकती है।

नौकरी बदलते समय पीएफ ट्रांसफर की झंझट भी खत्म: अक्सर नौकरी बदलने पर पीएफ खाता ट्रांसफर करने में दिक्कत आती थी। लेकिन नए बदलावों के बाद अब यह झंझट भी खत्म हो गया है। 15 जनवरी 2025 को ईपीएफओ ने इससे जुड़े नए निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक कुछ मामलों में पीएफ ट्रांसफर के लिए न तो पुराने नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत है और न ही नए की। यह सुविधा उपलब्ध होगी यदि एक ही यूएएन से जुड़ी सदस्य आईडी का स्थानांतरण होता है।

महिंद्रा खरीदेगा एसएमएल इसुजु में 58.96 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एम एण्ड एम) ने वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे की कुल कीमत 555 करोड़ रुपये रखी गई है, जिसमें महिंद्रा सुमितोमो कॉरपोरेशन की 43.96 फीसदी और इसुजु मोटर्स लिमिटेड की 15 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इस अधिग्रहण में प्रति शेयर मूल्य 650 रुपये तय किया गया है। सौदा पूरा होने के बाद महिंद्रा सेबी के अधिग्रहण नियमों के तहत अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए ओपन ऑफर भी पेश करेगी।

संक्षिप्त समाचार

युवक को पहले पीटा, फिर गला दबाकर की हत्या

सिवनी। सिवनी जिले में गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात एक शादी समारोह में फोटो खिंचवाने को लेकर विवाद हो गया। आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर पहले युवक की पिटाई की, फिर गला दबाकर हत्या कर दी। ये घटना किंदरई थाना क्षेत्र के बरेली गांव की है। स्थानीय लोगों ने मामले के बारे में तत्काल पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले में मर्ग कायमय किया है। दोनों आरोपी अभी फरार हैं। जानकारी के मुताबिक, बीती रात बरेली गांव में एक शादी समारोह था। जहां पर मृतक संतोष यादव निवासी करकवाड़ा गांव भी पहुंचे थे। वहीं पर फोटो खिंचवाने को लेकर संतोष का हरि यादव के साथ विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि जैसे ही संतोष शादी पंडाल से बाहल निकले, तभी हरि यादव अपने एक अन्य दोस्त के साथ उसे पीटना शुरू कर दिया।

इंदौर में मई के पहले दिन गर्मी ने दिखाया असर

इंदौर। इंदौर में अप्रैल के आखिरी दिनों में पारा 42 डिग्री पार जाने के बाद मई के पहले दिन भी गर्मी के तेवर तीखे रहे। गुरुवार को दिनभर तेज गर्मी रही और तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रहा। रात में भी गर्मी का असर काफी ज्यादा है। शहर में पिछले तीन दिनों से रात का तापमान 26 डिग्री से ज्यादा है। शुक्रवार सुबह मौसम साफ था। फिर 10 बजे के बाद से बीच-बीच में हल्के बादल छाने का दौर चल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी दो दिन गर्मी के तेवर तीखे ही रहेंगे। इस दौरान तापमान 42 डिग्री के करीब रहेगा। पिछले साल मई में सबसे ज्यादा तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। सीनियर मौसम वैज्ञानिक अजय कुमार शुक्ला के मुताबिक 10 मई के बाद से गर्मी और बढ़ेगी।

नमक, जीरा व सिगरेट पर चोरों ने किया हाथ साफ

जबलपुर। जबलपुर में चोरों ने किराना दुकानों से नमक, सिगरेट और जीरा चुरा लिया। एक घटना गढ़ा क्षेत्र की है, जहां स्कूटी सवार चोर नमक की बोरी ले गए। दूसरी घटना कोतवाली क्षेत्र की है, जहां ई-बाइक से सिगरेट व जीरे से भरी बोरी चोरी हुई। पुलिस ने जांच शुरू की है। जबलपुर शहर में चोरी की दो अजीबोगरीब घटनाएं सामने आई हैं, जहां चोरों ने किराना दुकानदारों के नमक, सिगरेट और जीरे पर हाथ साफ कर दिया। पहली घटना गढ़ा थाना क्षेत्र की है, जहां एक दुकानदार जयपाल सिंह की दुकान के बाहर रखी नमक की बोरियों को अज्ञात स्कूटी सवार चोर उठा ले गए। चोरी की यह वारदात दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। यहां लाल माटी द्वारका नगर निवासी 43 वर्षीय महेश कुमार जेठवानी, जो किराना दुकान का व्यवसाय करते हैं, 19 अप्रैल को वासुदेव ट्रेडर्स, मुकादम गंज से किराना सामान लेने पहुंचे थे।

ग्वालियर में सौतेले पिता ने लूटी नाबालिग बेटी की अस्मत

ग्वालियर। ग्वालियर से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक सौतेले पिता ने नाबालिग बेटी से दुष्कर्म कर डाला। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। ग्वालियर में एक सौतेले पिता ने अपनी ही 17 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। आरोपी बेहद शातिर है, उसने पहले पत्नी को मुरैना स्थित गांव भेज दिया और फिर मौके का फायदा उठाकर घर में अकेली बेटी के साथ गंदी हरकत की। घटना बुधवार रात की है। मां के मुरैना से लौटने के बाद बेटी ने पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद मां बेटी को लेकर आज सुबह भंवरपुरा थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

जेलर पर लड़कियों को जबरन ले जाने का आरोप, फरार आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

नाबालिग से गैंगरेप, होटल से पीड़िता को किया बरामद, 4 लोगों पर केस दर्ज

शहडोल ■ निसं

शहडोल में एक नाबालिग से गैंगरेप की वारदात सामने आई है। पीड़ित लड़की पिछले 3 दिनों से लापता थी। उसे गुरुवार तड़के एक होटल से बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक लड़की की उम्र 17 साल है। वह बुढ़ार जेल में पदस्थ डिप्टी जेलर के साथ एक होटल पहुंची थी। युवती ने जेलर पर जबरन उसे यहां लाने के आरोप लगाए थे। जिसके बाद पुलिस ने जेलर पर अपहरण का केस दर्ज किया है। जेलर विकास सिंह अभी फरार है।

इधर, पीड़ित ने अपने साथ गैंगरेप होने की बात भी पुलिस को बताई है। उसने पुलिस को बताया कि चार लोगों ने अलग-अलग जगह ले जाकर उसके साथ रेप किया। पुलिस ने गुरुवार को ही सभी आरोपियों को पकड़ लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। आरोपियों के नाम समीर खान, छोटू मुसलमान, अनमोल और आकिब है।

पहले समीर और छोटू ने जंगल में रेप किया

एसपी के मुताबिक, लड़की ने बताया कि 29 अप्रैल की रात उसके पास समीर खान का फोन आया। वह उसे पहले से जानती थी। फोन आने के बाद वह उससे मिलने के लिए घर से बाहर गई। समीर उसे बाइक से चंदनिया के जंगल ले गया। जहां उसने रेप किया। इसके बाद समीर ने छोटू मुसलमान को बुलाया, उसने भी नाबालिग से रेप किया।

इस मामले में एसपी रामजी श्रीवास्तव ने गुरुवार को दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने लड़की के अपहरण की बात बताई और कहा कि इस मामले में डिप्टी जेलर पर केस दर्ज किया है। वहीं शाम उन्होंने बताया कि लड़की के साथ 4 लोगों ने गैंगरेप किया है।

30 अप्रैल की सुबह 11 बजे दोनों आरोपी उसे शहडोल रेलवे स्टेशन छोड़ गए। उन्होंने कहा कि हम शाम को फिर आएंगे। नाबालिग दिनभर रेलवे स्टेशन पर रही, लेकिन दोनों नहीं आए।

अनमोल और आकिब ने भी किया दुष्कर्म

30 अप्रैल की ही शाम को लड़की के पास अनमोल का फोन आया। उसने उसे शहडोल की डेरी के पास बुलाया। लड़की जब वहां पहुंची तो अनमोल उसे बाइक से चंदनिया बैरियर के पास वाले क्षेत्र में ले गया। वहां उसने भी रेप किया। साथ ही अपने साथी आकिब को फोन कर बुलाया। आकिब ने भी लड़की से रेप किया और फिर दोनों उसे रात 2 बजे उसे हॉस्टल के पास छोड़कर चले गए।

जेलर का भाई बोला- झूठे केस में फंसाया: जेलर विकास सिंह के बड़े भाई प्रकाश सिंह ने बताया- मेरे भाई को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। बुधवार को मेरे भाई की इंगेजमेंट हुई। कार्यक्रम होटल त्रिदेव में था। पुलिस जिस कृष्णा होटल में लड़की के बरामदगी की बात कह रही है, वहां हमारे सभी गेस्ट और परिजन रुके थे। हमने पुलिस से खुद कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए।

पीड़ित रात में जेलर के साथ होटल पहुंची

पुलिस के मुताबिक, लड़की ने बताया कि 30 अप्रैल की रात को करीब 3 बजे जब वह रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी। तब लिफ्ट देकर बुढ़ार जेल के डिप्टी जेलर विकास सिंह उसे अपनी कार से होटल ले गए। इस दौरान ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों को संदेह हुआ तो वे खोजते हुए होटल पहुंचे और लड़की को बरामद किया। लड़की के बयान के आधार पर पुलिस ने जेलर विकास सिंह के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है।

जब पुलिसकर्मी मेरे भाई पर झूठा आरोप लगा रहे थे, तब उसकी झड़प उन पुलिस कर्मियों से हुई थी। रात में ही जब महिला पुलिस कर्मचारी नाबालिग लड़की का बयान लेने होटल आई थी, तब भी लड़की ने अपहरण और दुष्कर्म जैसा कोई आरोप नहीं लगाया था।

जेलर के भाई ने बताया- मेरा भाई गेस्ट को छोड़कर वापस होटल की तरफ आ रहा था, तभी उसे लड़की मिली। लड़की परेशान थी, उसने मेरे भाई से मदद मांगी। वह जबलपुर जाने की बात कर रही थी। ट्रेन नहीं होने के कारण वह रात कहीं रुकने की बात कर रही थी। होटल में हमारी बुकिंग पहले से थी, इस कारण विकास लड़की को लेकर होटल आ गया। लड़की ने पुलिस को ऐसा कुछ नहीं कहा। इसके बाद भी उसे झूठे मामले में फंसा दिया गया है। हमने खुद एसपी से सीसीटीवी फुटेज जांच करने की मांग की है।

शहडोल एसपी रामजी श्रीवास्तव ने गुरुवार दोपहर में कहा था- कोतवाली पुलिस शहर में गश्त कर रही थी, तभी आधी रात उन्हें लड़की सड़क पर जाते मिली।

पंचायत दुकान आवंटन पर पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल का बड़ा बयान, जल्द कलेक्टर-सीईओ को मिलेगा अधिकार

दमोह ■ निसं

मंत्री प्रहलाद पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि जनपद और जिला पंचायत की वर्षों से खाली दुकानों का जल्द ही आवंटन किया जाएगा और अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ को सौंपी जाएगी। दमोह पहुंचे पंचायत एवं ग्रामीण विकाश विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि जिला पंचायत की दुकानों का आवंटन कर अतिक्रमण हटाने के अधिकार कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को देने का विचार किया जा रहा है। जिस पर जल्द ही काम शुरू होगा। दरअसल गुरुवार को दमोह के बटियांगढ़ ब्लाक के ज़रारूधाम में पंच सरपंच सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल को शामिल हुए थे। कार्यक्रम से पूर्व वे अल्प प्रवास पर दमोह पहुंचे थे। यहां सर्किट हाउस पर एक पत्रकारवार्ता को उन्होंने संबोधित किया, जहां पत्रकारों ने उनसे कई सवाल भी किए। दमोह में प्रभारी मंत्री नहीं होने के सवाल पर उन्होंने सिर्फ भारत माता की जय कहा।

बता दें कि कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत के भाजपा में आने पर उन्हें मंत्री पद देकर दमोह जिले का प्रभारी मंत्री बनाया था, लेकिन विजयपुर उप चुनाव हारने के बाद उन्हें मंत्री पद से त्याग पत्र देना पड़ा और उसके बाद से दमोह के प्रभारी मंत्री का पद खाली पड़ा है।

मंत्री पटेल ने दमोह के साथ पूरे प्रदेश में व्याप्त एक समस्या को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दमोह की तरह हर जगह जनपद और जिला पंचायत की दुकानें हैं, जो 20 साल से बनी पड़ी हैं, लेकिन उनका आवंटन नहीं हो पा रहा है। अब हमने तय किया है कि कमिश्नर के स्थान पर कलेक्टर और अब विचार कर रहे हैं कि जिला पंचायत सीईओ को अधिकार देकर इन दुकानों के अतिक्रमण हटाए जाएंगे और उस पर हम फिर से काम शुरू करेंगे।

मंत्री पटेल ने जाति का जनगणना पर कहा कि सरकार ने जातिगत जनगणना करने का फैसला लिया है। ये ऐसे राजनीतिक विवाद हैं जो कई बार बड़ा विरोधाभास पैदा करते हैं।

गो-पालन को मिलेगा प्रोत्साहन

सीएम बोले- किसानों की समृद्धि के लिए होगा कृषि उद्योग मेलों का आयोजन

सागर ■ निसं

यह मेले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और इन्वेस्टर समिट की तर्ज पर आयोजित किए जाएंगे। तीन मई को मालवा में पहला मेला लगेगा, उसके बाद दमोह और जबलपुर में आयोजन होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, इन्वेस्टर मीट समिट की तर्ज पर कृषि उद्योग मेलों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव गुरुवार को सागर जिले के गढ़ाकोटा में आयोजित कन्यादान विवाह कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने मंच से दिए अपने उद्बोधन में कहा कि किसान भाई हमारे देश प्रदेश की शान हैं। हम उनकी आय को बढ़ाने और उन्हें समृद्ध बनाने के लिए कृषि उद्योग मेला लगा रहे हैं। इसके लिए प्रदेश के सभी जोनों में उद्योग मेला लगाएंगे।

उन्होंने बताया कि आने वाले 3 मई को मालवा में कृषि उद्योग मेला लग रहा है। उसके बाद बुंदेलखंड के दमोह में, महाकौशल के जबलपुर मे कृषि उद्योग मेला लगाया जाएगा।

नर्मदानगर में बनेगा भगवान परशुराम का मंदिर

श्रीराम मंदिर परिसर में होगा निर्माण, जन सहयोग से जुटेगी राशि; समित गठित हुई

खरगोन ■ निसं

खरगोन के नर्मदानगर में भगवान परशुराम का नया मंदिर बनेगा। सर्व ब्राह्मण समाज ने गुरुवार की रात बैठक में यह निर्णय लिया। मंदिर श्रीराम मंदिर परिसर में स्थापित किया जाएगा। बैठक की शुरुआत भगवान परशुराम और गुरुदेव गजानन महाराज बालीपुर सरकार के पूजन से हुई। मुकेश पंड्या, श्रीराम भटोरे और सुनील शर्मा ने पूजन किया। विष्णु सहस्त्रनाम और नर्मदा अष्टक पाठ के साथ महाआरती की गई।

जन सहयोग से धन एकत्र किया जाएगा: मंदिर निर्माण के लिए जन सहयोग से धन एकत्र किया जाएगा। वरिष्ठ समाज सदस्य मुकेश पंड्या ने 11 हजार रुपए के दान की घोषणा की। सुरेश बार्चे ने 11 हजार और वासुदेव डोंगरे ने 2100 रुपए देने की घोषणा की।

निर्माण समिति का गठन हुआ: समाज के दुर्गेश शर्मा बताते है मंदिर निर्माण समिति का गठन कर दिया गया है।

पाकिस्तानियों को सबसे ज्यादा पसंद इंदौर

प्रदेश में 300 से ज्यादा को मिल चुकी है देश की नागरिकता

इंदौर ■ निसं

इंदौर में पाकिस्तानी परिवारों को नागरिकता देने की बात उठी तो इसके लिए जैकबाबाद पंचायत ने इंदौर में एक कार्यालय खोला। जहां पर पाकिस्तानी शरणार्थियों को नागरिकता की प्रक्रिया देने में मदद की गई। प्रदेश में सबसे ज्यादा नागरिकता इंदौर में दी गई।

पहलगाम में हुए हमले के बाद सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया है और जो पाकिस्तानी लोग तय मापंदडों में आ रहे है। उन्होंने देश छोड़ दिया है, लेकिन इंदौर और भोपाल में रह रहे पाकिस्तान से आए परिवार अब राहत महसूस कर रहे है,क्योकि उन्हें दो साल पहले देश की नागरिकता मिल चुकी है। ये परिवार पाकिस्तान के सिंध प्रांत में रहते थे। सीएए कानून आने के बाद इन परिवारों को नागरिकता देने की प्रक्रिया तेज हो गई थी।

पाकिस्तान छोड़कर आने वाले कई परिवार इंदौर में बसना ज्यादा पसंद है। तीन सालों में करीब 300 लोगों को भारत की नागरिकता मिली है। उनमें से ज्यादातर इंदौर में रह रहे है। समाजजन इस बारे में कहते है कि इंदौर में समाज के लोग पाकिस्तान के परिवारों को मदद करते है। उन्हें व्यापार में भी मदद मिलती है। सीएए कानून आने के बाद भारत में पाकिस्तान के सिंध प्रांत से जो शरणार्थी इंदौर में बसे थे। उन्हें नागरिकता मिलने में परेशानी आती थी, लेकिन दो साल पहले थोकबंद तरीके से उन्हे नागरिकता मिली।

---

15 मई तक ई-केवाईसी अनिवार्य

राशन कार्ड धारकों के लिए अंतिम अवसर, नहीं कराने पर खाद्यान्न वितरण में हो सकती है परेशानी

हरदा ■ निसं

हरदा में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सभी पात्र हितग्राहियों को 15 मई तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी बासुदेव भदोरिया ने इस संबंध में जानकारी दी।

हितग्राही अपने नजदीकी उचित मूल्य की दुकान पर जाकर ई-केवाईसी करा सकते हैं। विशेष व्यवस्था के तहत बच्चों और वृद्धजनों के लिए फेस ऑथेंटिकेशन की सुविधा दी गई है। यह सुविधा उन लोगों के लिए भी उपलब्ध है, जिनके फिंगर प्रिंट पीओएस मशीन में स्कैन नहीं हो पाते।

मोबाइल पर फेस ऑथेंटिकेशन एप की सुविधा उपलब्ध: अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा में ई-केवाईसी नहीं कराने वाले हितग्राहियों को राशन की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने में परेशानी हो सकती है। सभी दुकानदारों के पास मोबाइल पर फेस ऑथेंटिकेशन एप की सुविधा उपलब्ध है।

अमृत दर्शन
आवश्यकता है
एक पढ़े लिखे अनुभवी ड्रायवर की। पार्ट टाईम, अच्छा वेतन
तुरंत संपर्क करें
मो.: 9827054436

अमृत दर्शन
तत्काल आवश्यकता है
एक पढ़े लिखे युवक/युवती की जिसे डीटीपी का पूर्ण ज्ञान हो। अच्छा वेतन
तुरंत संपर्क करें
मो.: 9827054436

यह दवा अमूल्य है
खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना
1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।
तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन की चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आये और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।
दैनिक अमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव, कई जिलों में बारिश-ओले का अलर्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले 6 दिन से प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओले का असर देखने को मिल रहा है वहीं कई क्षेत्रों में तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के एक्टिव होने से प्रदेश में ओले-बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को डिंडौरी में तेज बारिश हुई, करीब 25 से ज्यादा जिलों में मौसम बदला रहा। शुक्रवार को 5 जिले-छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में ओले गिर सकते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार कोकटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, जबलपुर, नरसिंहपुर में हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है। वहीं, भोपाल, ग्वालियर, नीमच, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, सागर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, रायसेन, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में गरज-चमक और हल्की बारिश होने के आसार है।छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में ओले गिर सकते हैं।

प्रदेश में अगले कुछ दिन ऐसा रहेगा मौसम

3 मई- उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और डिंडौरी में ओले गिरने का अलर्ट है। जबलपुर, कटनी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा पांढुर्णा में तेज आंधी चलेगी। भोपाल, ग्वालियर, नीमच, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, सागर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भी मौसम बदला रहेगा।

5 मई तक बारिश का दौर रहेगा

मौसम विभाग के अनुसार, 5 मई तक प्रदेश में बारिश का दौर बना रहेगा। कुछ जिलों में दिन में गर्मी रहेगी, जबकि शाम के बाद मौसम बदलेगा। गुरुवार को डिंडौरी में ओले गिरे। वहीं, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, छिंदवाड़ा, पन्ना, शहडोल, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, रतलाम, उज्जैन और राजगढ़ में हल्की गरज के साथ हल्की बारिश हुई। इधर, शाजापुर, रतलाम, गुना और नरसिंहपुर में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया। शाजापुर सबसे गर्म रहा। यहां पारा 43.7 डिग्री सेल्सियस रहा। रतलाम में 43.6 डिग्री, उज्जैन में 43.4 डिग्री और गुना-नरसिंहपुर में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। धार, खरगोन, खंडवा, शिवपुरी, रायसेन, टीकमगढ़, सागर, दमोह, बैतूल, खजुराहो और नर्मदापुरम में पारा 41 डिग्री या इससे अधिक रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 42.5 डिग्री, इंदौर में 42 डिग्री, ग्वालियर में 39.6 डिग्री और जबलपुर में 40.2 डिग्री रहा।

48 लाख लाड़ली लक्ष्मी के नाम पर पौधरोपण आज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश के सभी जिलों में आज लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों में नगरीय निकायों और पंचायत स्तर पर आयोजन करने की तैयारी है। इस दिन एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान चलाया जाएगा। जिसमें जन-प्रतिनिधियों और बालिकाओं द्वारा पौधरोपण किया जाएगा। वर्ष 2006 से शुरू हुई इस योजना में वर्तमान में 48 लाख बेटियां लाड़ली लक्ष्मी के रूप में रजिस्टर्ड हैं। हर बेटी को सम्मान, शिक्षा और आत्म-निर्भरता के अवसर देने के लिए लाड़ली लक्ष्मी उत्सव शुरू किया जा रहा है। हर जिला और निकाय स्तर पर समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच और सशक्तिकरण का वातावरण तैयार करने के लिए यह आयोजन होंगे।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का संचालन स्वयं लाड़ली बालिकाओं द्वारा किया जाएगा। इस उत्सव के जरिए जिला, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली बालिकाओं तथा लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली पंचायतों का सम्मान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान में जन-प्रतिनिधियों और बालिकाओं द्वारा पौध-रोपण भी किया जाएगा। लाड़ली बालिकाओं को आश्वासन प्रमाण-पत्र वितरित किये जायेंगे। कार्यक्रम में लाड़ली क्लब की सदस्य बालिकाएं अपने अनुभव भी साझा करेंगी।

भोपाल में लव जिहाद के खिलाफ महिलाओं का बड़ा प्रदर्शन आज शाम

26 स्थानों पर एक साथ विरोध

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश की राजधानी में शुक्रवार शाम 5 बजे लव-जिहाद के खिलाफ प्रदर्शन का आयोजन होगा। सकल हिंदू महिला संगठनों के नेतृत्व में यह आंदोलन पूरे भोपाल में 26 प्रमुख चौराहों पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है, जहां सनातनी महिलाएं और सामाजिक संगठन एकजुट होकर विरोध दर्ज कराएंगे। इस प्रदर्शन को लेकर हिंदू समाज में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि हिंदू बेटियों को लव जिहाद के जाल में फंसाकर उनके साथ अनैतिक व्यवहार किया जा रहा है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समाज की बेटियों की आबरू बचाने की मुहिम के तहत यह देशव्यापी संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से सामाजिक चेतना को जगाने, प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने और लव-जिहाद के खिलाफ कड़े कदमों की मांग की जा रही है। सकल हिंदू समाज की ओर से प्रियंका मिश्रा ने सभी सनातनी महिलाओं से अपील की है कि वे इस निर्णायक आंदोलन में भाग लें और अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर लव-जिहाद के खिलाफ अपना विरोध प्रकट करें।

इन 26 स्थानों पर होगा प्रदर्शन

गांधी नगर चौराहा, करोंद चौराहा, डीआईजी बंगला चौराहा, सिंधी कॉलोनी चौराहा, नादरा बस स्टैंड चौराहा, वाजपेयी नगर चौराहा, अशोका गार्डन परिहार चौराहा, सोमवारा कर्फ्यू माता मंदिर चौराहा, लालघाटी चौराहा, बैरागढ़ चौराहा, लिली टॉकीज चौराहा, रोशनपुरा चौराहा, एमपी नगर बोर्ड ऑफिस चौराहा, दस नंबर मार्केट चौराहा, कोलार चौराहा, पिपलानी चौराहा, अयोध्या नगर चौराहा, आनंद नगर चौराहा, भारत माता चौराहा, नेहरू नगर चौराहा, मनीषा मार्केट चौराहा, मिसरोद चौराहा, ओरा मॉल चौराहा, बागसेवनिया चौराहा, नीलबड़ चौराहा, अवधपुरी चौराहा।

मध्यप्रदेश रेप जिहाद मामला

एसआईटी की जांच में नया खुलासा, शहर का नामी बदमाश आरोपियों को करता था फंडिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल रेप जिहाद मामले में रोज रोज नए खुलासे हो रहे हैं। इसी कड़ी में विशेष जांच दल की जांच में नया खुलासा हुआ है। सूत्र ने बताया कि रेप जिहाद के आरोपियों को शहर का एक नामी बदमाश फंडिंग करता था। एसआईटी अब आरोपियों के फंडिंग कनेक्शन की भी जांच करेगी। मामले का एक आरोपी फरहान अली साद महंगी लाइफ स्टाइल जी रहा था। सामान्य परिवार का होने के बावजूद फरहान करीब 3 लाख की स्पोर्ट्स बाइक से चलता था। महंगी घड़ियों का भी शौक रखता था। टारगेट की हुई हिंदू लड़कियों को महंगे होटल में ले जाने की बात भी सामने आ रही है। मामले में बड़े गिरोह और लोगों का संरक्षण हो सकता है।

यह था मामला : दरअसल जिस तरह से पहलगाम में धर्म देखकर गोली मारी गई उसी तरह भोपाल में धर्म देखकर कर रेप की वारदात को अंजाम दिया गया। धर्म देखकर की दोस्ती फिर तीन युवतियों से रेप किया गया। फरहान खान, साहिल खान और अली खान ने पहले नाम बदलकर दोस्ती की थी। मामले में सभी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और जांच जारी है। आरोपियों से पूछताछ में रोज रोज नए खुलासे हो रहे हैं।

विधायक मसूद को धमकी: कृष्णा घाड़गे के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक कृष्णा घाड़गे के खिलाफ कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को धमकी देने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। घाड़गे ने मसूद को पाकिस्तान समर्थक बताते हुए धमकी दी थी।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 27 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा के मंच से आतंकवादी हमले के विरोध में घाड़गे ने मसूद के खिलाफ बयान दिया था। हालांकि, इस मामले में कृष्णा घाड़गे ने बाद में सोशल मीडिया पर लाइव आकर माफी भी मांग ली थी, लेकिन मसूद के एक समर्थक द्वारा शिकायत करने पर जहांगीराबाद थाने में धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया गया है

जहांगीराबाद पुलिस ने कृष्णा घाडगे के खिलाफ बीएनएस की धारा 353(2) और 351(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार शिकायत जहांगीराबाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यशवंत यादव ने की है। यादव ने शिकायत में कहा था कि गत रविवार को एक चल समारोह के दौरान अपने संबोधन में भाजपा नेता कृष्णा घाड़गे ने कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को जान से मारने की धमकी दी है। उन्होंने यह धमकी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है। फरियादी द्वारा वायरल वीडियो की लिंक दी गई थी, जिसकी जांच के बाद प्रकरण दर्ज किया गया है।

शिकायत में आरोप लगाए गए हैं कि घाड़गे ने भोपाल में आपत्तिजनक टिप्पणी कर विधायक को जान से मारने की धमकी दी है। यह व्यक्ति शहर की शांति भंग करने का प्रयास कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 27 अप्रैल रविवार को हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा के मंच पर घाड़गे ने कहा था कि पहलगाम में जो हमारे भारतीयों का नरसंहार किया गया है, एक वर्ग विशेष का नाम लेकर जाति पूछकर उनको मारा गया है, अब हम भी अपनी जाति बताकर मारेंगे। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ भी आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए धमकी दी थी।

यूनियन ने150 श्रमिकों को सम्मान चिह्न देकर सम्मानित किया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

बीएचईएल के पाँच नंबर गेट पर वॉक्स कॉन्टेक श्रमिक एकता यूनियन द्वारा श्रमिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूनियन द्वारा 150 श्रमिकों को फील्ड (सम्मान चिह्न) प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में निफ्टू के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विराट जैसवाल, ऐबू के महासचिव राम नारायण गिरी, सत्येंद्र सिंह, आशीष सोनी, राजमल वैरागी, विशाल वाणी, बजरंग दल कमल पिपरिया, ललित राय चंदानी तथा क्षेत्रीय पार्षद शिवलाल मकोरिया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में यूनियन के प्रमुख पदाधिकारी

अवधेश कुशवाह, दिलदार खान, आरिफ खान ,विजय रजक,फिरोज खान, रोहित मेहदे, लकी हिण्डोलिया, नरेश सिकरवार, ज्ञान सिंह, राजू सिकरवार, मलखान सिंह मालवीय, दिनेश विश्वकर्मा, अमित दिवाकर - सक्रिय भूमिका में उपस्थित रहे और कार्यक्रम की सफलता में अहम योगदान दिया। यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष मेहर अली ने श्रमिकों के समर्पण, परिश्रम और योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से श्रमिकों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें सामाजिक पहचान मिलती है। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों के योगदान को सम्मानित करना और उनके आत्मबल को सशक्त करना रहा। यूनियन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी श्रमिक हितों के लिए इस तरह के आयोजन नियमित रूप से किए जाते रहेंगे।

अब रोज एक थाने का निरीक्षण करेंगे पुलिस कमिश्नर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हफ्ते में एक बार जनता से संवाद

पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने थानास्तर पर कसावट लाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत वह अब रोजाना एक थाने का औचक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने टीटी नगर, अशोका गार्डन और बजरिया थानों का औचक निरीक्षण किया। पुलिस कमिश्नर ने अशोका गार्डन क्षेत्र में चेकिंग प्वाइंट का भी निरीक्षण किया और किसी कमी के पाए जाने पर पुलिसकर्मियों को हिदायत दी।

औचक निरीक्षण के दौरान उनका पूरा ध्यान स्टाफ की कार्यप्रणाली पर रहेगा। वह यह जानेंगे कि क्राइम कंट्रोल के लिए थाना प्रभारी से लेकर माइक्रो बीट में काम कर रहे जवान किस तरह से काम कर रहे हैं। इसके अलावा, निगरानीशुदा बदमाशों पर किस प्रकार की निगरानी रखी जा रही है, वारंटियों की धरपकड़ के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं और थानों में कितने वारंट और केस पेंडिंग हैं, इन सभी मामलों की जानकारी ली जाएगी।

पुलिस कमिश्नर मिश्र ने बताया कि सप्ताह में एक बार वह जोन स्तर पर लोगों से संवाद भी करेंगे, जिसकी शुरुआत वह आने वाले सोमवार से करेंगे। इस संवाद का उद्देश्य उन लोगों तक पहुंचना है, जिनकी शिकायतें कई बार आला पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में नहीं आ पातीं।

गणना का समय घटाया

थानों में रोजाना शाम को होने वाली गणना का समय अब दो घंटे घटा दिया गया है। पहले यह गणना देर शाम होती थी, लेकिन अब यह शाम 5 बजे होगी। इससे यह फायदा होगा कि पीक आवर्स के दौरान पुलिस जवान मैदान में मौजूद रहेंगे।

भोपाल जिला प्रशासन की अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई

1.5 करोड़ की भूमि मुक्त कराई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में अवैध कॉलोनियों पर जिला प्रशासन सख्त है। गुरुवार को भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम बिशनखेड़ी तहसील हुजूर में बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में जेसीबी की मदद से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि पर की जा रही अवैध कॉलोनी निर्माण को हटाया गया।

यह भूमि ग्राम बिशनखेड़ी में स्थित है, जिसमें खसरा क्रमांक 14/2 रकबा 1.00 हेक्टेयर और खसरा क्रमांक 15/2 रकबा 0.652 हेक्टेयर पर शुभम साहू पुत्र जमना प्रसाद एवं नजमा पत्नी हसीन खां द्वारा कब्जा किया गया था, जिसकी अनुमानित सरकारी कीमत लगभग 1 करोड़ 9 लाख रुपये है।

इसके अलावा खसरा क्रमांक 139, रकबा 0.600 हेक्टेयर पर जियाबाई पत्नी दौलत सिंह, गोपाल सिंह, पवन, एवं हेमराज पुत्रगण दौलत सिंह द्वारा भी अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था, जिसकी सरकारी कीमत लगभग 40 लाख रुपये आंकी गई है।

भोपाल आए राजगोपाल पीवी, व्यक्त किए अपने विचार

भोपाल। अगर गांधी आज होते, तो वो नेताओं की तरह संसद में बैठकर भाषण नहीं देते, बल्कि जिलों में जाकर लोगों के बीच रहकर काम करते। धर्म अब बाजार और सत्ता का हथियार बन चुका है, जिससे नफरत और असमानता बढ़ रही है। निवानो शांति पुरस्कार विजेता और गांधीवादी विचारक पीवी राजगोपाल ने यह बात कही। उन्होंने गांधी के मूल्यों और आज के समाज पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे आज का दौर हिंसा, नफरत और धार्मिक बाजारीकरण से भरा हुआ है। ऐसे समय में गांधी के विचार और भी जरूरी हो गए हैं। राजगोपाल ने कहा कि पहले धर्म का स्थान समाज में सौहार्द बढ़ाने वाला था। लेकिन अब धर्म बाजार के हाथ में है। बाजार बहुत पैसे खर्च करके मंदिरों का निर्माण कर रहा है। बाजार त्योहारों का बाजारीकरण कर रहा है। इन सबसे धार्मिक उन्माद बढ़ रहा है। एक समय था जब चरण सिंह और शास्त्री जैसे नेता किसान परिवार से आते थे, लेकिन अब अधिकतर नेता पूंजीपति घरानों से आते हैं।

भोपाल की समरीन की गुहार, वीजा निलंबन के बाद फंसी संकट में

बोली-छोटे बच्चों को अकेले पाकिस्तान कैसे भेज दूं?

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल की रहने वाली समरीन एक गंभीर मानवीय संकट से गुजर रही हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं स्थगित कर दी हैं और देश में रह रहे पाक नागरिकों को जल्द से जल्द भारत छोड़ने का आदेश दिया है। इस फैसले का असर समरीन पर गहरा पड़ा है, जो अपने दो छोटे बच्चों के साथ भारत आई थीं।

समरीन की शादी सात साल पहले पाकिस्तान के सद्दाम नामक व्यक्ति से हुई थी। उनके रिश्तेदार कराची सहित पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में रहते हैं, जिसके चलते उनका

रिश्ता पाकिस्तान में तय हुआ। समरीन इस बार पहली बार अपने बच्चों-सवा साल की जुनेरा और छह साल के शाजिल को लेकर भारत आई थीं, ताकि वे अपनी नानी से मिल सकें। लेकिन अब बदलते हालात ने उनकी जिंदगी में भारी उथल-पुथल ला दी है।

समरीन का पाकिस्तानी वीजा खत्म हो चुका है और वीजा एक्सटेंशन की प्रक्रिया अधर में लटक गई है। वहीं, उनके दोनों बच्चों के पास पाकिस्तानी नागरिकता है और उनके वीजा एक्सटेंशन के लिए दिया गया आवेदन भी अब खारिज हो चुका लगता है। उन्होंने बताया कि अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, बच्चे बहुत छोटे हैं, उन्हें अकेले पाकिस्तान भेजना नामुमकिन है। वहां सिर्फ मेरी बुजुर्ग और बीमार सास हैं, पति दुबई में हैं। बच्चों की देखभाल वहां कौन करेगा?

समरीन का कहना है कि उन्होंने पाकिस्तान की नागरिकता कभी नहीं ली, ताकि भारत लौटने का रास्ता खुला रहे। वे वहां केवल वीजा पर रह रही थीं। अब भारत से लौटने के लिए उन्हें नया वीजा चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात में इसकी संभावना बेहद कम है। समरीन ने अपनी स्थिति की जानकारी भोपाल पुलिस को दी है और एक लिखित आवेदन भी सौंपा है। पुलिस ने उन्हें फिलहाल यहीं रहने को कहा है और मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया है।

भारत में पानी व्यापार की वस्तु इसे रोकना होगा: राजेंद्र सिंह

भोपाल। प्रतिष्ठित मैग्सेसे अवार्ड विजेता पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह ने भारत में पानी के व्यापार को बंद करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पानी अब व्यापार की वस्तु बन चुका है, जिसे रोकना जरूरी है। यह विचार उन्होंने भोपाल के मानस भवन में वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट के लोकार्पण समारोह में व्यक्त किए। यह यूनिट पूर्व मंत्री सविता वाजपेई के परिजनों द्वारा स्थापित की गई है। राजेंद्र सिंह ने कहा कि भारत को पानीदार बनाने के लिए मानसिकता बदलनी होगी। उन्होंने बताया कि दुनिया के कई देश पानी की कमी के कारण संघर्ष कर रहे हैं। सिंह ने सिंधु नदी से पाकिस्तान को जाने वाले पानी की समीक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। उनका मानना है कि इस नदी का 70प्रतिशत पानी भारत को मिलना चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि लालची विकास के कारण बेतवा नदी की धारा सूख गई है और पर्यावरण नष्ट हो रहा है। जब से पानी व्यापार की वस्तु बना है, प्राकृतिक जल स्रोतों की अनदेखी हुई है। भारत में बोतलबंद पानी का व्यापार 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।